

एमडी ड्रस के साथ ऑटो चालक गिरफ्तार, 22.47 ग्राम मेफेड़ोन जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ क्राइम ब्रांच की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच इंदौर ने सघन चेकिंग के दौरान एक आरोपी को 22.47 ग्राम एमडी ड्रस यानी मेफेड़ोन के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 20 हजार रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस आयुक्त इंदौर के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त अपराध के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 10 सितंबर 2026 को क्राइम ब्रांच की टीम पत्थर गोदाम मेन रोड

स्थित पावर हाउस के पास सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे युसुफ को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 22.47 ग्राम एमडी ड्रस बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपी युसुफ इंदौर के थाना पंडरीनाथ क्षेत्र का निवासी है। पुलिस के मुताबिक वह चौथी कक्षा तक शिक्षित है और ऑटो चलाने का काम करता है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी अलग-अलग थानों में जुआ एक्ट के तहत मामले दर्ज पाए गए हैं। इनमें थाना एरोड़म में अपराध क्रमांक 593/21, थाना सेंट्रल कोतवाली में अपराध क्रमांक 332/21 और 284/23



तथा थाना तेजाजी नगर में अपराध क्रमांक 43/22 शामिल हैं।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अहिल्या उत्सव आयोजित



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला भवन इंदौर में आज 10 सितंबर 2026 को अहिल्या उत्सव का आयोजन श्रद्धा एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व, लोककल्याणकारी कार्यों तथा सुशासन की परंपरा से छात्राओं को परिचित कराना था। कार्यक्रम में देवी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों का स्मरण किया गया। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, न्यायप्रियता, प्रशासनिक कुशलता, धर्म-संस्कृति संरक्षण तथा जनकल्याण के लिए किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. बी.डी. श्रीवास्तव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास में ऐसी आदर्श शासिका के रूप में प्रतिष्ठित हैं, जिन्होंने अपने शासनकाल में प्रजा के हित, न्याय, धर्म, संस्कृति एवं लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और प्रशासनिक कुशलता का परिचय देते हुए एक आदर्श शासन व्यवस्था स्थापित की। उनका जीवन यह संदेश देता है कि नेतृत्व केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का माध्यम है। प्रो. प्रेरणा ठाकुर ने अहिल्याबाई होलकर द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों, महिलाओं एवं तीर्थस्थलों के संरक्षण, धर्मशालाओं, घाटों, कुओं एवं जलस्रोतों के निर्माण तथा यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्य आज भी लोकसेवा और सुशासन के आदर्श के रूप में स्मरण किए जाते हैं। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए संवेदनशीलता एवं समानता की भावना के साथ कार्य किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से महिला सशक्तीकरण एवं नेतृत्व के क्षेत्र में अहिल्याबाई होलकर की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं को बताया गया कि एक महिला शासक के रूप में उन्होंने अपने समय की सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों के बीच जिस साहस, दूरदर्शिता और निर्णय क्षमता का परिचय दिया, वह वर्तमान पीढ़ी के लिए भी प्रेरणादायी है।

शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण की बड़ी पहल, पहले बनेगा नया समानांतर ब्रिज - सांसद



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के प्रमुख शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए पुराने शास्त्री ब्रिज को तोड़ने से पहले उसके समानांतर नया ब्रिज बनाया जाएगा। इससे निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहेगी और नागरिकों को आवागमन में परेशानी नहीं होगी। सांसद श्री शंकर लालवानी की लगातार पहल और प्रयासों के परिणामस्वरूप शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को गति मिली है। सांसद श्री लालवानी द्वारा इंदौर की प्रमुख अधोसंरचनाओं को मजबूत करने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर लगातार संबंधित विभागों के साथ चर्चा की जा रही है। शास्त्री ब्रिज का निर्माण कार्य दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में वर्तमान ब्रिज के समानांतर नया ब्रिज बनाया जाएगा। योजना के अनुसार नए समानांतर ब्रिज को सिंहस्थ-2028 से पहले यातायात के लिए उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जाएगा। नया ब्रिज शुरू होने के बाद पुराने शास्त्री ब्रिज को तोड़ा जाएगा तथा दूसरे चरण में शेष निर्माण कार्य किया जाएगा। नए ब्रिज की ऊंचाई वर्तमान शास्त्री ब्रिज की तुलना में अधिक रखी जाएगी, जिससे भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बेहतर और आधुनिक सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में शास्त्री ब्रिज के पुनर्निर्माण एवं संबंधित विकास कार्य पर प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत आएगी।



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा कायलयर पर गुरुवार को संभागीय प्रभारी रणवीर सिंह रावत और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा की उपस्थिति में मोर्चों की संयुक्त परिचय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी सांठनात्मक कार्यक्रमों के साथ संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों ने अपना परिचय दिया और संगठन की गतिविधियों को

क्राइम ब्रांच ने आरोपी के कब्जे से बरामद 22.47 ग्राम एमडी ड्रस को जब्त कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 20 हजार रुपये है। मामले में थाना क्राइम ब्रांच इंदौर में अपराध क्रमांक 0140/2026, दिनांक 10 सितंबर 2026 को धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि एमडी ड्रस उसे कहाँ से मिला, इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य खरीदार एवं सप्लायर कौन हैं। पुलिस मामले से जुड़े नेटवर्क और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, वर्ष 2026 में

फर्जी तरीके से 33 सिम एक्टिवेट कर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराने वाला आरोपी गिरफ्तार, 55 फ़ॉड शिकायतों से जुड़ा कनेक्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन FAST-2.0 के तहत क्राइम ब्रांच ने साइबर फ़ॉड में इस्तेमाल होने वाली संदिग्ध मोबाइल सिम उपलब्ध कराने के मामले में आरोपी धर्मेन्द्र को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने 33 सिम फर्जी तरीके से एक्टिवेट कर उपलब्ध कराई थीं। इन सिम और उनसे जुड़े मोबाइल नंबरों के तकनीकी विश्लेषण के दौरान नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 55 साइबर फ़ॉड शिकायतों से संबंधित लिंक सामने आए हैं।

क्राइम ब्रांच के अनुसार, आरोपी से संबंधित 33 सिम और मोबाइल नंबरों की तकनीकी जानकारी का विश्लेषण कर उसे हट्टक्रफ़पोर्टल पर उपलब्ध साइबर फ़ॉड शिकायतों के डेटा से मिलान किया गया। इसके बाद प्राप्त जानकारी का मिलान इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर

(हु4ए) तथा विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर अपराध संबंधी शिकायतों और डेटा से किया गया। तकनीकी जांच में सामने आया कि संदिग्ध सिम और मोबाइल नंबरों से संबंधित साइबर फ़ॉड शिकायतें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, केरल, तेलंगाना, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों से जुड़ी हैं। हट्टक्रफ़ पर मिली शिकायतों में यूपीआई फ़ॉड, फ़ॉड कॉल या विशिंग, इंटरनेट बैंकिंग और अन्य प्रकार के साइबर अपराध शामिल हैं।

जांच के दौरान सामने आई 55 शिकायतों में कुछ मामलों में ठगी की राशि और अन्य वित्तीय नुक़सान उपलब्ध हैं, जबकि कुछ शिकायतों में वित्तीय जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण उनका अलग से सत्यापन किया जा रहा है। क्राइम ब्रांच संदिग्ध मोबाइल नंबरों की वास्तविक



जानकारी लेते हुए निश्चित समयसीमा में काम पूरा करने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान इंटेकवेल निर्माण, पेयजल टंकियों के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि, टंकियों के निर्माण, जलप्रदाय लाइन के रिप्लेसमेंट और नवीन पाइपलाइन बिछाने से

1 जनवरी से 10 सितंबर तक एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 66 प्रकरणों में 141 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन कार्रवाइयों में आरोपियों के कब्जे से 2.99763 किलोग्राम एमडी ड्रस, 28.338 किलोग्राम गांजा, 500 किलोग्राम भांग, 327.42 ग्राम ब्राउन शुगर और 10 ग्राम कोकीन बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, इन मामलों में मादक पदार्थों और वाहनों सहित करीब 3 करोड़ 76 लाख 18 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया है।

इस कार्रवाई में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर अवैध मादक पदार्थों की सप्लाय से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

उपयोगकर्ताओं के साथ कड़ी, सिम के इस्तेमाल के तरीके और संबंधित साइबर अपराधों में उनकी भूमिका का तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर परीक्षण कर रही है।

पुलिस अब आरोपी धर्मेन्द्र द्वारा फर्जी तरीके से एक्टिवेट कराई गई 33 सिम के KYC दस्तावेजों, एक्टिवेशन प्रक्रिया, मोबाइल नंबरों की तकनीकी जानकारी और उनके उपयोग से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है। साथ ही हट्टक्रफ़ पर दर्ज 55 शिकायतों से मिले लिंक के आधार पर अलग-अलग राज्यों में दर्ज साइबर अपराधों का सत्यापन किया जा रहा है।

क्राइम ब्रांच यह भी पता लगाने में जुटी है कि फर्जी तरीके से एक्टिवेट की गई सिम साइबर अपराधियों तक किस नेटवर्क के जरिए पहुंचाई गईं और इस पूरे मामले में आरोपी धर्मेन्द्र के अलावा अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

जुड़े कार्यों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों को इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि शहर में जलप्रदाय से जुड़े प्रोजेक्ट समय पर पूरे किए जा सकें।

बैठक में कार्यों की थीमी गति पर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि कार्यों में अपेक्षित तेजी नहीं आती है तो संबंधित एजेंसी को नोटिस जारी करने के साथ ही नियमानुसार पेनल्टी

स्टेट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सदस्य जय हार्डिया का जिला कोर्ट परिसर में स्वागत



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश स्टेट बार एसोसिएशन के चुनाव में सफलता प्राप्त करने वाले एडवोकेट जय हार्डिया का जिला कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं द्वारा पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग इंदौर के शहर अध्यक्ष एडवोकेट ललित नरवरे, एडवोकेट गजानंद सुनहरे सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

जिला कोर्ट परिसर स्थित 15 नंबर कोर्ट के बाहर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में एडवोकेट जय हार्डिया के स्टेट बार एसोसिएशन के चुनाव में सफल होने पर अधिवक्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। उपस्थित अधिवक्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत किया और मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर जय हार्डिया ने अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे स्टेट बार एसोसिएशन में अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाएंगे और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने अधिवक्ताओं को उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रभावी तरीके से आवाज उठाने का आश्वासन भी दिया।कार्यक्रम में एडवोकेट जयंत दुबे, रंजन शर्मा, रोहित तोमर, संतोष पांडे, विकास डागा, गजानंद सुनहरे, कामता प्रसाद पांडे, ओपी शर्मा, अनिल मालवीय, चंद्रशेखर पवार, मोहन पाटीदार, शोएब कमाली, कुलदीप पाल, सचिन चंदेल, गुर्जर, सीध्या काले और मनोज धाकड़ सहित बड़ी संख्या में जिला बार के अधिवक्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुखबिर सूचना पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में 10 सितम्बर गुरुवार को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम द्वारा ग्राम बसंदरा वृत्त सांवेर में एक मकान की तलाशी ली।

कार्रवाई के दौरान मौके से कुल 792 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। बरामद मदिरा की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 5.50 लाख रुपये है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बरामद मदिरा मध्यप्रदेश में बिन्नी के लिए रखी गई थी। उक्त कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री धर्मेद जोशी, श्री पवन टीकेकर एवं श्रीमती निधि शर्मा के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक श्रीमती जया मुजाल्दे एवं श्री जयेश वास्केल तथा आबकारी अमले द्वारा की गई।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षार की अध्यक्षता में आज पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्री लाक्षार ने विभाग द्वारा किए गए दस्तावेजों के पंजीयन और संबंधित एजेंसियों से समयबद्ध तरीके से काम कराया जाए। नगर निगम द्वारा अमृत प्रोजेक्ट 2.0, जलप्रदाय परियोजनाओं और नर्मदा चतुर्थ चरण के तहत किए जा रहे कार्यों को शहर की पेयजल व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में इन परियोजनाओं की प्रगति को लेकर आगे भी नियमित समीक्षा किए जाने पर जोर दिया गया।

आयोजन- इस भव्य आयोजन में श्री नरीम नवकार जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ ट्रस्ट, नरीमन नागेश्वर भक्त मंडल, नवकार नरीमन शाखा एवं नरीमन नागेश्वर महिला मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। आयोजन में आर.सी. जैन, मनीष शाह, नाना सेठ, बाबूलाल भंडारी, शरद जैन, सीरभ कटारिया, अजय चौधरी, अजय अम्बोर, शान्तिलाल जैन, प्रदीप आँचलिया, प्रकाशचंद जैन, दिलीप जैन, प्रदीप जैन, पिकेश जैन, संदीप जैन, रितेश जैन, यशवर्धन शाह, रूद्रभ शाह, प्रसन्न सकलेचा,विकास जैन, नविक जैन, प्रिंस सकलेचा अल्केश गंधी, अनिल कुमार जैन, अजीत जैन, अमित मेहता, अंकुशसिंह सिसोदिया, स्वप्निल नानावटी, सिद्धांत जैन, स्वप्निल जैन, हितेश काकरिया, शीतल जैन अर्कित सिसोदिया एवं काव्यश नानावटी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सभी के सामूहिक प्रयासों से आयोजित यह धार्मिक आयोजन देर रात तक श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना रहा। 2100 दीपों की अनुपम रोशनी, फूलों से सजी प्रभु की निराली आंगी, संगीतमय आरती और भजनों पर झूमते हजारों श्रद्धालुओं का दृश्य पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन को अविस्मरणीय बना गया।

संगठन की अपेक्षाओं को पूरा करते हुए बूथ विस्तार में जुटें कार्यकर्ता: रणवीर सिंह रावत

मोर्चों की संयुक्त परिचय बैठक में आगामी कार्यक्रमों और संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा कायलयर पर गुरुवार को संभागीय प्रभारी रणवीर सिंह रावत और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा की उपस्थिति में मोर्चों की संयुक्त परिचय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी सांठनात्मक कार्यक्रमों के साथ संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों ने अपना परिचय दिया और संगठन की गतिविधियों को

लेकर आगामी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया। संभागीय प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने कहा कि हम सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं और बिना अस्थिर सुमित मिश्रा की उपस्थिति में मोर्चों की संयुक्त परिचय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी सांठनात्मक कार्यक्रमों के साथ संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों ने अपना परिचय दिया और संगठन की गतिविधियों को

काम करना चाहिए। रावत ने कहा कि कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्रों में बूथों पर प्रवास करें और संगठन को मजबूत करने के साथ विस्तार के कार्य में जुटें। बूथ स्तर तक संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए मोर्चों के पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और मेहनत से संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस है और 7 अक्टूबर को उनके सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी के तहत संगठन द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प दिवस के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की मंशा के अनुरूप सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया।

पाल डालकर लेट गया किसान, पुलिस ने टांगा-टोली कर हटाया, अधिक आवक के चलते बन रही विवाद की स्थिति

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी पिपलियामंडी में गुरुवार सुबह बाइक पर लहसुन की बोरी लेकर पहुंचे किसानों को मंडी में प्रवेश नहीं मिलने पर फिर विवाद की स्थिति बन गई। नाराज बाबूखेड़ा निवासी किसान लक्ष्मणसिंह मंडी गेट के बाहर पाल बिछाकर जमीन पर लेट गया और विरोध जताने लगा। किसान के गेट पर लेटने से यातायात प्रभावित होने लगा और जाम जैसी स्थिति बनने लगी।

सूचना पर मंडी सचिव जगदीशचंद भामर कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में पुलिस बल भी पहुंचा और यातायात अवरुद्ध कर रहे किसान को टांगा-टोली कर मंडी गेट से हटाया। जानकारी के अनुसार बाबूखेड़ा निवासी किसान लक्ष्मणसिंह बाइक पर लहसुन की बोरी लेकर कृषि उपज मंडी पहुंचा था। उसके साथ करीब 10 अन्य



किसान भी बाइक पर लहसुन लेकर मंडी पहुंचे थे। मंडी गेट बंद होने के कारण

किसानों को प्रवेश नहीं दिया गया। इससे किसान आक्रोशित हो गए और उन्होंने मौके पर विरोध शुरू कर दिया।

इसी दौरान लक्ष्मणसिंह ने मंडी गेट के सामने पाल बिछाकर उस पर लेटकर विरोध जताया। किसान के गेट पर लेटने से मंडी में आने-जाने वाले लोगों और वाहनों को परेशानी होने लगी। सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से जाम की स्थिति बनने लगी। सूचना मिलते ही मंडी सचिव जगदीशचंद भामर कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने के प्रयास किया। बाद में पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा। पुलिस व कर्मचारियों ने

किसान को समझाने का प्रयास किया, लेकिन विरोध जारी रहने पर उसे टांगा-टोली कर गेट से हटाया गया। इसके बाद यातायात व्यवस्था सुचारू हो सकी। उल्लेखनीय है कि इन दिनों कृषि उपज मंडी पिपलियामंडी में लहसुन की भरपूर आवक हो रही है। मंडी परिसर में पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण बाद में आने वाले किसानों को बाहर ही रोक दिया जाता है। वहीं बाइक पर लहसुन की उपज लेकर आने वाले किसानों के लिए सुबह 9 बजे तक मंडी में प्रवेश की व्यवस्था निर्धारित की गई है।

सुबह 9 बजे के बाद बाइक पर लहसुन की बोरी लेकर आने वाले किसानों को प्रवेश नहीं दिया जाता। किसानों का कहना है कि सुबह के समय खेती-किसानी सहित अन्य जरूरी काम रहते हैं। इसके कारण कई किसान निर्धारित समय तक मंडी नहीं पहुंच पाते हैं। किसानों ने मांग की कि बाइक से

लहसुन लेकर आने वाले किसानों के प्रवेश का समय सुबह 9 बजे से बढ़ाकर 10 बजे तक किया जाए, ताकि उन्हें परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। मंडी प्रशासन का कहना है कि लहसुन की अधिक आवक के चलते दूर-दराज से अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों को भी मंडी में जगह नहीं मिलने के कारण करीब 3 से 5 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। क्षेत्र के किसानों की सुविधा को देखते हुए बाइक पर लहसुन की उपज लेकर आने वाले किसानों के लिए प्रतिदिन सुबह 9 बजे तक प्रवेश की व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद कई किसान निर्धारित समय पर नहीं आते और बाद में प्रवेश नहीं मिलने पर विवाद की स्थिति उत्पन्न करते हैं। मंडी प्रशासन के अनुसार मंडी परिसर में उपलब्ध जगह और अत्यधिक आवक को देखते हुए व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है।

यात्री प्रतीक्षालय का काम शुरू होते ही खूनी संघर्ष, दो परिवार आमने-सामने, लाठी-डंडे और पत्थरों से मारपीट में छह घायल



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कनकछ्डी गांव में लंबे समय से विवादित 10म25 फीट के प्लॉट को लेकर दो परिवारों के बीच चल रहा विवाद बुधवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। बताया जा रहा है कि एक दिन पूर्व

ही ग्राम पंचायत द्वारा इसी विवादित जमीन पर यात्री प्रतीक्षालय बनाने के लिए कार्य शुरू कराया गया था। पुराने विवाद का समाधान हुए बिना निर्माण कार्य शुरू होने के बाद दोनों पक्षों में तनाव बढ़ गया और देखते ही देखते लाठी-डंडों व पत्थरों से जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हुए हैं। विवाद में एक पक्ष से मुकेश पिता शांतिलाल आर्य (25), यशोदा बाई पति मुकेश (40) और हिमांशु पिता मुकेश (22) घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से कारूलाल पिता चुन्रीलाल कीर (60), ललित्ता बाई पति कारूलाल (50) और दीपक पिता कारूलाल (28) घायल बताए गए हैं। मारपीट में महिलाओं को भी चोटें आईं, वहीं पुरुषों के सिर, हाथ-पैर सहित शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोट लगी। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और घायलों को पिपलियामंडी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में प्रार्थमिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल मंदसौर रेफर किया गया। एक पक्ष के घायलों को नगर परिषद की एम्बुलेंस से मंदसौर भेजा गया, जबकि बाद में मंदसौर से पहुंची दो एम्बुलेंस से पति-पत्नी को अलग-अलग एम्बुलेंस से रेफर किया गया।

अस्पताल में स्ट्रेचर नहीं मिलने से अव्यवस्था - घायलों को अस्पताल लाए जाने के दौरान व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े हुए। जानकारी के अनुसार दो घायलों को तत्काल स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं हो सका। ऐसे में कुछ देर तक घायल जमीन पर ही लेटे रहे। बाद में एक स्ट्रेचर लाया गया, जिसके माध्यम से घायलों को उपचार के लिए अंदर ले जाया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद घायलों को एम्बुलेंस से मंदसौर रेफर किया गया। इस दौरान अस्पताल परिसर में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सेवा का संकल्प: आधे स्टाफ के बावजूद

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विपरीत परिस्थितियों में भी अगर सेवा का सच्चा जज्बा हो, तो संसाधन कभी आड़े नहीं आते। इसकी जीती-जागती मिसाल पेश कर रहा है नीमच जिले का 30-बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (छाष्ट्र) सिंगोली। स्वास्थ्य मानकों के अनुसार जहां इस अस्पताल में 46 से 52 कर्मचारियों का अमला होना चाहिए, वहीं वर्तमान में मात्र 24 कर्मचारियों की छोटी सी टीम अपनी कमठेरा से मध्य प्रदेश और राजस्थान के सीमावर्ती गांवों की करीब 1 लाख की आबादी को वीआईपी स्वास्थ्य सेवाएं दे रही है।

अतीत में डॉक्टरों की कमी को लेकर हुए जन-आंदोलनों और अनशन के दौर को पीछे छोड़ते हुए, वर्तमान स्टाफ ने अपनी लगन से इस केंद्र की पूरी तस्वीर बदल दी है।

चुनौतियों पर भारी पड़ रहा स्टाफ का सेवाभाव- अस्पताल में रोजाना 150 से 200 मरीजों की ओपीडी पूरी मुस्कुराहट के साथ संभाली जा रही है। स्त्री रोग विशेषज्ञ न होने के बाद भी यह कर्मठ स्टाफ हर महीने 50 से 90 सुरुक्षित प्रसव कराकर मातृत्व को सुरक्षित कर रहा है। सबसे खास बात यह है कि बिना बाल रोग विशेषज्ञ के भी गर्भिण नवजात बच्चों की जान बचा देने वाली (प्राइमरी आईसीयू) यूनिट को यह अमला पूरी सेवेदनशीलता से चला रहा है।

कम बारिश से रबी सीजन पर संकट, गोविंद सिंह साण्डा ने उठाए सरकार की जल प्रबंधन नीति पर सवाल, कहा- अब भाषण नहीं, खेत तक पानी चाहिए

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक

मालवा हेराल्ड। 2026 के मानसून की बेरुखी और बारिश के असमान वितरण ने नीमच-जावद क्षेत्र के किसानों के माथे पर गहरी चिंता की लकीरें खींच दी हैं। आगामी रबी सीजन के लिए सिंचाई के पानी के संकट को लेकर अब अंचल में सियासत पूरी तरह सुलग उठी है। कांग्रेस ने इस गंभीर मुद्दे पर प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की बेराबंदी तेज कर दी है।

पाटी के वरिष्ठ नेतृत्व ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के मुखिया भले ही सूबे में किसान कल्याण वर्ष मनाने का ढोल पीट रहे हों, लेकिन वे जावद विधानसभा क्षेत्र में दस्तक दे चुके सूखे की भयावह हकीकत से पूरी तरह अजनब हैं। प्रशासनिक उदासीनता और सरकार की इस बेरुखी को लेकर क्षेत्र के अन्नदाताओं में भारी आक्रोश पनप रहा है।

खासदावा बनाम हकीकत एक तरफ सरकार



किसान कल्याण वर्ष का उत्सव मना रही है, दूसरी तरफ जावद के जलाशयों में रबी सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं है।

पारदर्शिता की मांग कांग्रेस ने मांग की है कि प्रशासन आंकड़ों की बाजीगरी बंद कर नीमच-जावद क्षेत्र के तालाबों और भूजल की वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक करे।

स्वाई समधान नेताओं का कहना है कि फसल बर्बाद होने के बाद मुआवजे का झुनझुन थमाना समाधान नहीं है, सरकार ऐसी नौबत ही न आने दे।

आंकड़े जारी करने से नहीं चलेगी जिम्मेदारी- साण्डा जिला कांग्रेस कमिटी नीमच के उपाध्यक्ष गोविंद सिंह साण्डा ने सरकार की तैयारियों को सीधे कटघरे में खड़ा करते हुए कई तीखे सवाल दागे हैं।

साण्डा ने कहा, अन्नदाता आज से ही रबी की

अफीम की खेती में अब ‘क्वाटिटी’ नहीं ‘क्वालिटी’ का दौर, पट्टा बचाने के लिए मार्फिन का मानक पार करना जरूरी

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रशिक्षण शिविर में जुटे मालवा के सेकड़ों अफीम उत्पादक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफीम की खेती में अब केवल बंपर पैदावार (उत्पादन) लेना ही काफी नहीं है, बल्कि सरकार के कड़े मानकों के अनुरूप मार्फिन का निर्धारित प्रतिशत हासिल करना किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। इस चुनौती को कम करने और पारंपरिक अफीम उत्पादकों को आधुनिक कृषि विज्ञान से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (छष्ट्रह) नीमच द्वारा स्थानीय टाउन हॉल में एक दिवसीय भव्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। ‘अफीम फसल की उन्नत खेती एवं गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेस’ विषय पर केंद्रित इस शिविर में नीमच, जावद और मनासा विकासखंड के चयनित अफीम किसानों ने सहभागिता की।

परंपरागत अनुभव में जब घुलेगा विज्ञान, तब बढ़ेगी किसानों की शान-डिग्टी कमिश्नर- शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डिप्टी नारकोटिक्स कमिश्नर निखिल गांधी ने किसानों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि मालवा के किसानों के पास पीढ़ियों का पारंपरिक अनुभव है। यदि वे इस अनुभव के साथ आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों और नई तकनीकों को जोड़ लें, तो न सिर्फ उत्पादकता में रिकॉर्ड वृद्धि होगी, बल्कि उनकी आय का ग्राफ भी तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि

उच्च गुणवत्ता वाली अफीम से देश में कैन्सर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं का कच्चा माल तैयार होता है। इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य ही किसानों को ब्यूरो के कड़े मानकों पर खरा उतरने के लिए सक्षम बनाना है।अंधाधुंध केमिकल और गलत सिंचाई से घट जाता है मार्फिन का प्रतिशततकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र, नीमच के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सी.पी. पचौरी ने एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहलू की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि कई बार किसान खेत में भारी मात्रा में यूरिया (नाइट्रोजन) या बाजारू केमिकल डाल देते हैं। इससे डोढ़े का आकार तो बड़ा हो जाता है और उत्पादन भी ज्यादा दिखता है, लेकिन अफीम के लेटेक्स (दूध) में शुद्ध मार्फिन की मात्रा घट जाती है। वैज्ञानिकों ने मिट्टी के चयन, संतुलित पोषण (उर्वक उपयोग), खरपतवार नियंत्रण और विशेष रूप से काली मरसी (डाउन मिश्री) जैसे घातक रोगों से बचाव की वैज्ञानिक कड़ियां समझाईं। किसानों को सचेत किया गया कि डोढ़े पर चौरा लगाने के दौरान जल प्रबंधन में थोड़ी सी भी चूक अफीम को पतला कर सकती है, जो सीधे पट्टे (लाइसेंस) की पात्रता को प्रभावित करता है।

मेहनत को मिला सम्मान, समाज को नशामुक्त बनाने का

संकल्प- कार्यक्रम के दौरान एक और जहां पिछले सीजन में उत्कृष्ट उपज और मानक मार्फिन प्रतिशत देने वाले प्रतिशौल किसानों को डिप्टी नारकोटिक्स कमिश्नर द्वारा मंच पर सम्मानित किया गया, वहीं दूसरी ओर सामाजिक सरोकार निभाते हुए उपस्थित सभी किसानों को नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। इस गरिमामय अवसर पर जिला अफीम अधिकारी लाला राम दिनकर, रविंद्र डोगरे, जेपी मीणा, कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. श्याम सिंह, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर मंदसौर की डॉ. किरण सहित नारकोटिक्स विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कृषि विशेषज्ञ और सेकड़ों किसान उपस्थित रहे।

संवाद से सुलझें शंकाएं, अब हर बेल्ट में होंगे ऐसे शिविर- शिविर के अंतिम चरण में किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद हुआ, जहां अफीम उत्पादकों ने फसल में आने वाली व्यावहारिक दिक्कों पर बेबाकी से सवाल पूछे। किसानों ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासनिक अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ ऐसा समन्वय नियमित रूप से होना चाहिए। अधिकारियों ने किसानों से मिले शानदार फीडबैक के बाद आश्चस्त किया कि नीमच और मंदसौर की तर्ज पर आगामी दिनों में भी मालवा के अन्य अफीम उत्पादक क्षेत्रों में ऐसे प्रशिक्षण शिविर लगातार आयोजित किए जाएंगे।

सर्वधर्म आस्था का केंद्र बना लदुसा का सांवरिया सेठ मंदिर, दानपात्र से निकली 15 लाख से अधिक की राशि और विदेशी मुद्रा

मुस्लिम परिवार की अर्जी पूरी होने पर ली सात्विक जीवन की दीक्षा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा क्षेत्र के सुप्रसिद्ध एवं दिव्य धार्मिक स्थल, भगवान लक्ष्मीनारायण सांवरिया सेठ मंदिर लदुसा में भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी, गुरुवार को अपार श्रद्धा और उत्साह के बीच मंदिर का दानपात्र खोला गया। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार दानपात्र से कुल 15 लाख 8 हजार 12 रुपये की रिकॉर्ड दान राशि प्राप्त हुई है। इसके साथ ही, भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी ठाकुर जी की बढ़ती ख्याति का प्रमाण देते हुए दानपात्र से कुवैत, सऊदी अरब, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों की विदेशी करेंसी भी निकली है।

मंदिर ट्रस्ट के पं. महेश व्यास लदुसा ने बताया कि लदुसा का यह पावन धाम आज सर्वधर्म समभाव का एक अद्भुत प्रतीक बन चुका है। मालवा क्षेत्र का यह मंदिर अब ऐसा जाग्रत स्थल बन गया है जहाँ क्या हिंदू और क्या मुस्लिम, जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी अर्जी लेकर आता



है, वह कभी खाली हाथ नहीं लौटता। यहाँ काबा और कैलाश में कोई भेद नहीं माना जाता; यहाँ शिव की नदियां भी गंगा के समान पवित्र हैं और आबे-जमजम भी ठाकुर जी का प्रसादी जल है।

इसी अलौकिक कृपा का प्रत्यक्ष प्रमाण तब देखने को मिला जब एक मुस्लिम परिवार के रसखान नामक भक्त की मनोकामना पूरी हुई। रसखान ने मार्च 2025 में ठाकुर जी के चरणों में अपनी अर्जी लिखकर लगाई थी। उन्होंने अत्यंत भावुक होकर बताया कि सांवरिया सेठ के आशीर्वाद से उनके जीवन में सब कुछ 'बिस्मिल्लाह' शायी हुई।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता : पंकज परमार ने जीता प्रथम पुरस्कार, तुलसी रेगर द्वितीय, दीपक माली रहे तृतीय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर फोटो जर्नलिस्ट ग्रुप, मंदसौर द्वारा मंदसौर शहर की सुंदरता विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने 100 से अधिक फोटो प्रदर्शनी में लगाए। एक से बढ़कर एक फोटो इस प्रदर्शनी में शामिल

हुए। गुरुवार सुबह प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ। प्रतियोगिता में सीनियर फोटोग्राफर पंकज परमार ने प्रथम पुरस्कार जीता। वहीं द्वितीय स्थान पर छात्र तुलसी रेगर रही। तृतीय पुरस्कार दीपक माली ने जीता। दो साल्ताला पुरस्कार मानसी एवं वंदना चंद्रवात ने जीता।

प्रतियोगिता में सभी विजेता प्रतिभागियों के सांवाद सुधीर गुप्ता, नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष धीरज पाटीदार, भाजपा जिला महामंत्री विजय सुराणा, प्रेस क्लब के अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, समाजसेवी नाहरू खां, वरिष्ठ

पत्रकार घनश्याम बटवाल, युवा प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष महावीर जैन द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा की फोटोग्राफी एक कला है, जिसके माध्यम से हम वे भाव सामने ला सकते हैं जिसे सीधे तौर पर देखने पर महसूस नहीं होते।

मंदसौर में जन्मी खुशवी राजपुरोहित बनी सेना में लेफ्टिनेंट, परिवार और तीन राज्यों का गौरव बढ़ाया



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपने निहाल मंडलौई परिवार मंदसौर में जन्मी खुशवी राजपुरोहित ने अपनी विशिष्ट उपलब्धि से परिवार और तीन राज्यों मध्य प्रदेश राजस्थान और गुजरात का गौरव बढ़ाया है। खुशवी ने शासकीय स्कॉलरशिप से

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की अहमदाबाद में उपाधि प्राप्त की। किन्तु खुशवी की मंजिल यहाँ तक नहीं थी सेना में जाकर देश सेवा का महान लक्ष्य खुशवी के मन में था। उनने अपने कड़ी मेहनत और लगन से भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट का पद प्राप्त किया। वे देश की आधुनिक आर्मी में एयर डिफेंस कोर का हिस्सा बनी हैं। उनकी पोस्टिंग लेफ्टिनेंट के पद पर हुई है। खुशवी का जन्म मंदसौर में अपने निहाल मंडलौई परिवार में हुआ। कयामपुर के मूल निवासी श्री घनश्याम सिंह मंडलौई और श्रीमती चित्रा जी मंडलौई खुशवी के नाना नानी जी हैं। मंडलौई परिवार की सामाजिक धर्मिक एवं राजनैतिक क्षेत्र में सक्रियता और सेवा परम्परा सर्व विदित है। खुशवी के दादा दादी जी का परिवार मूलतः राजस्थान के जालोर जिले के गांव डगातर का है, जो वर्तमान में अहमदाबाद गुजरात में निवासरत है। दादाजी गिरधारी लाल सुश्री और जितेंद्र राजपुरोहित हैं। शिल्पा और पंकज राजपुरोहित खुशवी के माता पिता हैं। खुशवी की इस विशिष्ट उपलब्धि पर बड़े नाना मानसिंह, जोरावर सिंह, भोपाल सिंह मामा द्रय आशोष सिंह ,अशुल सिंह मंडलौई और छोटे भाई हर्षल सहित पूरे मंडलौई परिवार खेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है। गत 6 सितम्बर को खुशवी सेना की परेड में शामिल हुईं। नेशनल टीवी पर परेड में खुशवी को उपस्थित देख कर परिजन और खेहीजनों का मन हर्ष से भर गया। वास्तव में खुशवी का सेना में जा कर देश सेवा का जज्बा दिदहिल ओर ननिहाल दोनों परिवारों का मान बढ़ा गया।

दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन में शामिल होंगे सांसद सुधीर गुप्ता

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।मंदसौर-नीमच-जावरा संसदीय क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता को केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में 69वें कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन में भारत की ओर से भाग लेने के लिए नामांकित किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सांसद सुधीर गुप्ता का नामांकन किया गया है। यह सम्मेलन 13 से 19 सितंबर तक केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर संसदीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें सदस्य देशों के सांसद अपने अनुभव, विचार और संसदीय व्यवस्थाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। मंदसौर-नीमच-जावरा संसदीय क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। सम्मेलन में उनकी भागीदारी से उन्हें विभिन्न देशों के संसदीय प्रतिनिधियों के साथ संवाद करने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की लोकतांत्रिक एवं संसदीय व्यवस्था से जुड़े विषयों पर विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन राष्ट्रमंडल देशों के सांसदों के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच है। इस सम्मेलन में विभिन्न देशों के जनप्रतिनिधि संसदीय लोकतंत्र, सुशासन, जनप्रतिनिधियों की भूमिका तथा समसामयिक संसदीय विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं।

गरोट में गैस कटर से एटीएम काटने वाली गैंग का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार, 6 लाख बरामद

दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, यूपी और एमपी में कर चुके हैं करोड़ों की वारदातें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस थाना गरोट को बड़ी सफलता मिली है। भानपुरा रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को गैस कटर से काटकर नकदी चुराने वाली अंतरराज्यीय गैंग के 3 शांतिर बदमाशों को



पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी के 6 लाख रुपये, वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार, गैस कटर, ऑक्सीजन सिलेंडर, एटीएम की कैश ट्रे और रिजेक्शन बॉक्स सहित अन्य सामग्री जप्त की गई है। तीनों आरोपियों पर पहले से ही मुर्ना, शिवपुरी, गुना, मेरठ, कोटा सहित कई जिलों में लुट, चोरी, धोखाधड़ी और आर्मस् एक्ट के 13-13 से अधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी शहजाद गुना और मेरठ से फरार चल रहा था। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, यूपी और एमपी में कर चुके हैं करोड़ों की वारदातें कर चुके हैं। एक हजार से ज्यादा सीसीटीवी खंगालने के बाद पुलिस

ने कोटा-नूंह-कासगंज से दबोचा है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मोणा के निर्देश पर एएसपी राम सनेही मिश्रा और एसडीओ गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बलवीर सिंह यादव की टीम ने यह कार्रवाई की। बता दें कि 29-30 अगस्त 2026 की रात अज्ञात बदमाशों ने भानपुरा रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को गैस कटर से काटकर नकदी चोरी कर ली थी। बैंक के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक विनोद कलोरिया की रिपोर्ट पर थाना गरोट में बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और डॉग स्क्याड को मौके पर

तीन आरोपी गिरफ्तार में समीर पिता सिकंदर खान (23) निवासी डीसीएम, कोटा, राजस्थान, शहजाद उर्फ चिंटू पिता ईशब मेवाती (24) निवासी ग्राम मसीद, तावड़ू, नूंह, हरियाणा, मानपाल पिता अशरफूलाल लोधी (30) निवासी किशोरपुर, कासगंज, यूपी है, एक आरोपी शिवकुमार लोधी फरार है। गैंग ने कई बड़ी वारदातें कबूल की हैं, जिसमें 2021 में मुर्ना में एसबीआई एटीएम से 25 लाख, 2022 में जालोर में 2.63 लाख और एटा में एक्सिस बैंक एटीएम से 25 लाख, 2023 में सबलगढ़ नूरैना में 21 लाख, 2025 में गुना में 4.50 लाख चुराए थे।

सम्पादकीय

लोकतंत्र में राजनीति को समाज सेवा का सर्वोच्च

माध्यम माना जाता है, मगर हकीकत कुछ और है?

राजनीति को समाज सेवा का सर्वोच्च माध्यम माना जाता है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता की आशाओं, आकांक्षाओं और अधिकारों के संरक्षक होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता के साथ देश और समाज का नेतृत्व करें। किंतु जब आम नागरिक राजनीति की वर्तमान स्थिति को देखता है, तो उसके मन में यह कटु विचार जन्म लेता है कि राजनीति ही एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप झूठ बोल सकते हैं, धोखा दे सकते हैं और चोरी कर सकते हैं, और फिर भी सम्मानित बने रह सकते हैं। यह कथन समाज में व्याप्त उस निराशा और अविश्वास को व्यक्त करता है, जो वर्षों से राजनीतिक व्यवस्था के प्रति लोगों के मन में बढ़ता जा रहा है। हालांकि यह कथन पूरी राजनीति या सभी राजनेताओं पर समान रूप से लागू नहीं किया जा सकता, फिर भी इसमें छिपी पीड़ा और यथार्थ को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। जब भ्रष्टाचार, झूठे वादे, सत्ता का दुरुपयोग और जवाबदेही की कमी बार-बार सामने आते हैं, तब लोगों का विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगे, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था भी कमजोर पड़ने लगती है।

लोकतंत्र चुनावों पर आधारित व्यवस्था है। चुनाव के समय राजनीतिक दल जनता से अनेक वादे करते हैं—रोज़गार, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय बढ़ाने, भ्रष्टाचार समाप्त करने और विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन चुनाव जीतने के बाद अक्सर इन वादों का बड़ा हिस्सा अधूरा रह जाता है। जनता पाँच वर्षों तक उनहीं वादों की याद दिलाती रहती है, जबकि नेता नई राजनीतिक रणनीतियों में व्यस्त हो जाते हैं। यही कारण है कि लोगों को लगता है कि राजनीति में झूठ बोलना एक सामान्य बात बन गई है। जब वादे पूरे नहीं होते, तब जनता के मन में यह भावना भी जन्म लेती है कि चुनाव केवल आश्वासनों का माध्यम बनकर रह गए हैं।

राजनीति में धोखे का दूसरा रूप दल-बदल की संस्कृति है। अनेक नेता चुनाव किसी एक विचारधारा और दल के नाम पर जीतते हैं, लेकिन सत्ता या पद के लालच में बाद में दूसरे दल में चले जाते हैं। इससे मतदाताओं के विश्वास को ठेस पहुँचती है। जनता जिस विचार और नीति के आधार पर मतदान करती है, वही प्रतिनिधि बाद में अपने व्यक्तिगत हितों के लिए उस विश्वास को तोड़ देता है, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध माना जाता है और लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

भ्रष्टाचार राजनीति की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर घोटालों और आर्थिक अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे हैं। सरकारी धन का दुरुपयोग, रिश्ततख़ोरी, ठेकों में अनियमितता और सार्वजनिक संसाधनों का निजी लाभ के लिए इस्तेमाल लोकतंत्र की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। जब ऐसे आरोपों के बावजूद कुछ नेता चुनाव जीतते रहते हैं और सार्वजनिक मंचों पर सम्मान प्राप्त करते हैं, तब आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीति में नैतिकता का महत्व कम हो गया है?

उदाहरण के लिए, यदि कोई जनप्रतिनिधि चुनाव से पहले अपने क्षेत्र में अस्पताल, सड़क, पेयजल और रोज़गार की व्यवस्था करने का वादा करता है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद वर्षों तक उन मुद्दों पर कोई ठोस कार्य नहीं करता और अगली बार फिर नए वादों के साथ जनता के बीच पहुँच जाता है, तो स्वाभाविक रूप से मतदाताओं का विश्वास कमजोर होता है। ऐसा अनुभव केवल किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में जनता द्वारा व्यक्त की जाने वाली शिकायतों में भी दिखाई देता है।

राजनीति में सम्मान का आधार केवल चरित्र नहीं, बल्कि लोकप्रियता, संगठन, जातीय समीकरण, आर्थिक शक्ति और चुनावी सफलता भी बन जाते हैं। यदि कोई नेता प्रभावशाली है, बड़ी जनसभा जुटा सकता है या चुनाव जीत सकता है, तो उसके ऊपर लगे आरोप भी कई बार जनता के एक वर्ग को प्रभावित नहीं करते। यही स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चुनौती बनती है।

मीडिया और सोशल मीडिया के विस्तार ने राजनीति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया है। आज किसी भी घटना को अपनी सुविधा के अनुसार प्रस्तुत करने की कोशिश की जाती है। कई बार वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाकर भावनात्मक या विवादालस्यद विषयों पर चर्चा केंद्रित कर दी जाती है। इससे जनता का ध्यान शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोज़गारी, महँगाई और कृषि जैसी मूल समस्याओं से हट सकता है। ऐसे माहौल में सत्य और असत्य के बीच अंतर करना सामान्य नागरिक के लिए कठिन हो जाता है। इसलिए नागरिकों को भी प्रत्येक सूचना की सत्यता परखने की आदत विकसित करनी चाहिए।

हालाँकि यह कहना भी उचित नहीं होगा कि राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में ऐसे नेता भी हुए हैं जिन्होंने ईमानदारी, सादगी और जनसेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने व्यक्तिगत लाभ के बजाय समाज और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी। ऐसे नेताओं के कारण ही लोकतंत्र में लोगों की आस्था बनी रहती है। इसलिए सभी राजनेताओं को एक ही दृष्टि से देखना न्यायप्रसंग नहीं होगा।

वास्तविक समस्या केवल नेताओं की नहीं, बल्कि पूरी राजनीतिक संस्कृति की भी है। यदि मतदाता जाति, धर्म, धन या तत्कालीन लाभ के आधार पर मतदान करेगा और उम्मीदवार के चरित्र, कार्य तथा नीतियों पर ध्यान नहीं देगा, तो राजनीति में सुधार कठिन होगा। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम शक्ति होती है।

सत्य की खोज का मार्ग है



लोगों द्वारा यह स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि यह विषय व्यक्ति के पूर्ण हित के लिए तथा पूरे विश्व के हित लिए है।

सहजयोग ध्यान धारणा द्वारा जब हम आत्मा से एकाकार हो जाते हैं तो हमारे क्रिया कलापों को, विचारों को बुद्धि का नहीं वरन् आत्मा का मार्ग दर्शन प्रकाश होता है। हमारी आदतें विचार, उद्देश्य, आवश्यकताएँ परिवर्तित होने लगती है और हम प्रत्येक कार्य में आनन्द का अनुभव करने लगते हैं। सहजयोगी आनंद, प्रेम, करुणा, संगीत, नृत्य व हास्य से भरा हुआ होता है। अतः सहजयोग सामूहिकता द्वारा विकीर्णित चैतन्य लहरियां अविश्वसनीय होती हैं जिन्हें अनेकों बार श्री माताजी के कार्यक्रम में कैमरे ने कैद किया है। जब हम आत्मा के सत्य को समझ लेते हैं तो अनेक प्रकार के डर व भय समाप्त हो जाते हैं।

भगवान श्री कृष्ण ने भी आत्मा के सत्य के विषय में कहा है -
नैन छिन्दति शस्त्राणि, नैन दहति पावकः-
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

(इस आत्मा को शस्त्र नहीं काट सकते, इसको आग नहीं जला सकती, इसको जल नहीं गला सकता और वायु नहीं सुखा सकती 7 (भगवद्गीता, अध्याय 2 श्लोक 23।)

कुण्डलीनी शक्ति जब सहजारी की ओर बढ़ती है तो हमारे भीतर अन्तर्शुद्धि की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है हमारे चक्रों नाड़ियों में जो भी दोष होते हैं उनका निवारण प्रारम्भ हो जाता है जिससे अनेक बीमारियाँ स्वतः ही ठीक होने लगती हैं। परंतु सहजयोग केवल समस्याओं के समाधान का विवेक नहीं बल्कि सत्य की खोज का मार्ग है। सहजयोग आत्मज्ञान को प्राप्त कर आत्मनिरीक्षण द्वारा मनुष्यत्व से देवत्व की ओर उत्थान का योग है।

उत्तराखंड में मतदाता सूची की सफाई शुरू हुई तो लगा, जैसे लोकतंत्र के पुराने घर में झाड़ू चल रही हो। धूल हटनी ही चाहिए, लेकिन झाड़ू लगाते-लगाते एक चीकाने वाला सच सामने आया—उधम सिंह नगर, हरिद्वार, देहरादून और नैनीताल, इन चार मैदानी जिलों से ही नाम हटाने के करीब 80-85 प्रतिशत आवेदन आए हैं। पहाड़ खामोश हैं, मैदानों में हलचल है। सवाल सूची की सफाई पर नहीं, इस असमानता पर है—आखिर इतनी ‘गंदगी’ इन्हीं चार जिलों में क्यों मिली? लोकतंत्र में आंकड़े मौन जरूर होते हैं, मगर कभी-कभी उनका मौन ही सबसे तीखा सवाल बन जाता है।

मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित, दोहरी या गलत प्रविष्टियाँ हों तो उन्हें हटाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। मगर सफाई और छंटई में फर्क है—घर की धूल हटाई जाती है, घर के लोग नहीं। उत्तराखंड के पहाड़ों से मैदानों की ओर वर्षों से पलायन हुआ। लोग यहाँ बसे, घर बनाए, बच्चों को पढ़ाया, दुकानें खोलੀं, मजदूरी और नौकरियां कीं और इसी मिट्टी में अपने जीवन की जड़ जमा दीं। कई वर्षों से वोट देते आए ये लोग अब अचानक संदेह के घेरे में हों तो मामला कागज से आगे बढ़ जाता है। तब आदमी को अपने ही घर में यह साबित करना पड़ता है कि वह सचमुच इसी घर का है।

फॉर्म-7 इस कहानी का छोटा-सा कागज है, लेकिन उसके पीछे बड़ा सवाल है—आवेदन कौन कर रहा है और किस आधार पर? कोई इसे घुसपैठ से जोड़ रहा है, कोई

नई पीढ़ी को सक्षम बनाने की चुनौती

नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर युवा आंदोलनकारियों के धरना-प्रदर्शन और शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने जेन-जी को ध्यान में रखते हुए एक के बाद एक कई निर्णय लिए हैं। अगर इन फैसलों पर सही से अमल हो सका तो इस पीढ़ी की तमाम चिंताएं दूर हो सकती हैं। इस दिशा में तत्परता से काम भी शुरू हो चुका है। इसी के साथ इस विरोध-प्रदर्शन में निहित संदेश को समझने के लिए यह पड़ताल करना भी उतना ही आवश्यक है कि किसी प्रायोजक या सुनिर्णोजित एवं संगठित समर्थन के बिना इतनी भारी भीड़ आखिर स्वतः स्फूर्त ढंग से क्यों उमड़ पड़ी?

जेन-जी न केवल देश की एक बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है, बल्कि यह पीढ़ी देश की नई आकांक्षाओं का प्रतीक भी है। जेन-जी का बचपन और जवानी इंटरनेट, स्मार्टफोन और इंटरनेट मीडिया के साए में गुजरी है। इनके लिए आभासी और वास्तविक दुनिया के बीच की दीवार बनावटी और बेमानी है। सूचनाओं तक तात्कालिक पहुंच के बल पर यह पीढ़ी दुनिया भर में संबंध जोड़ सकती है, ज्ञान हासिल कर सकती है, स्टार्टअप शुरू कर सकती है और मुख्यधारा के मीडिया या पारंपरिक तंत्र की के बिना भी अपनी बात को राष्ट्रीय मंच पर रख सकती है। जंतर-मंतर का वह जमावड़ा इसी ताकत का प्रत्यक्ष प्रमाण रहा। इन पहलुओं ने एक ऐसी पीढ़ी को आकार दिया है, जो व्यक्तिगत पहचान, प्रामाणिकता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समावेशिता को सर्वोपरि मानती है।

जेन-जी पीढ़ी किसी सत्ता या व्यवस्था को महज इसलिए स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि वह पारंपरिक रूप से चली आ रही है। वह सीधे सवाल करती है कि पुरानी व्यवस्थाएं बदस्तूर क्यों बनीं रहें, क्या स्थापित संस्थाएं उनकी आवाज सुन भी रही हैं और क्या मौजूदा तंत्र उन्हें न्यायसंगत एवं समान अवसर उपलब्ध करा पा रहा है? इनकी आकांक्षाएं पिछली पीढ़ियों की तुलना में बुनियादी रूप से भिन्न हैं, जिनके लिए एक सुरक्षित और स्थिर करियर ही जीवन का वास्तविक एवं अंतिम ध्येय हुआ करता था।

पुरानी पीढ़ी की तुलना में वे कोई अर्थपूर्ण अथवा रुचि का काम चाहते हैं। ऐसा काम, जिसमें न केवल आर्थिक आजादी, बल्कि अपनी शर्तों पर काम की सहूलियत के साथ ही कुछ नया रचने की छूट और आत्मविकास की गुंजाइश हो। स्टार्टअप, फ्रीलान्सिंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म, कंटेंट क्रिएशन और आधुनिक तकनीकी पेशों ने रोजगार को लेकर उनके स्वरूप के क्षितिज बना दिए हैं। शैक्षिक डिग्रियों और आर्थिक अवसरों के बीच बढ़ता अंतर युवाओं में भारी हताशा पैदा कर सकता है। जेन-जी युवा संभवतः सरकारी नौकरियों के अभाव को स्वीकार कर भी ले, किंतु वह पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, योग्यता-आधारित चयन, भरोसेमंद बुनियादी ढांचा और ऐसे संस्थान अवश्य चाहता है, जो नागरिकों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करें।

—**धनंजय राजौरा**

दोहरी प्रविष्टि से। राजनीतिक दल अपने-अपने चरम से तत्वीर देख रहे हैं और प्रशासन नियम-कायदों के बीच रास्ता तलाश रहा है। मगर इन सबके बीच आम मतदाता अकेला खड़ा है—न उसके पास माइक है, न मंच, न अपनी बात कहने का कोई प्रभावशाली सहारा। उसके पास बस उसका नाम है। डर यही है कि अगली सूची में कहीं वही नाम न हो। जिस बजुर्ग ने वर्षों मतदान किया, उसका नाम एक दिन गायब मिले तो यह महज कंप्यूटर की गलती नहीं, लोकतंत्र के दरवाजे पर उसके लिए बंद हुआ एक किवाड़ है।

चार जिलों में ही इतने आवेदन क्यों आए—इस सवाल का जवाब जरूरी है। मैदानों में आबादी अधिक है, प्रवासी, मजदूर, व्यापारी और अलग-अलग जगहों से आकर बसे परिवार भी अधिक हैं, इसलिए सूची में बदलाव की संभावना स्वाभाविक है। लेकिन सवाल फिर भी बचता है—पहाड़ों में नाम कम हट रहे हैं तो क्या वहां सब कुछ अपने आप सही है? क्या कम आवेदन शुद्धता की ओर इसी मिट्टी में अपने जीवन की भीड़ को ही संदेह की पहली सीढ़ी मान लिया गया है? पहाड़ का सत्राटा शुद्धता और मैदान की भीड़ ग़बनड़ी मान लेना आसान है। मगर लोकतंत्र सुविधा से नहीं, सबके लिए एक जैसी कसौटी से चलता है।

सत्ता को सफाई हमेशा पसंद आती है—सड़कें साफ हों, दफ्तर साफ हों, फाइलें साफ हों और मतदाता सूची भी साफ हो, इससे भला कैसे आपत्ति होगी? मुश्किल

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बारूद के खेल से मानवीय संवेदना सर्वनाश की ओर

दुनिया आज विज्ञान, तकनीक और आधुनिक सभ्यता के जिस शिखर पर खड़ी दिखाई देती है, उसी समय उसके सामने युद्ध, हिंसा और विनाश का एक ऐसा अंधकार भी खड़ा है, जो पूरी मानव सभ्यता के भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रहा है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल तीन देशों के बीच शक्ति-संघर्ष या राजनीतिक वर्चस्व का प्रश्न नहीं रह गया है। इसके प्रभाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, कूटनीतिक संबंधों और सबसे बढ़कर मानवीय संवेदना को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। महत्वाकांक्षा, सामरिक वर्चस्व और विस्तारवादी सोच जब संवाद की जगह बारूद को चुनौती है, तब युद्ध की आग केवल सीमाओं के भीतर नहीं रहती, बल्कि उसकी तपिश पूरी दुनिया महसूस करती है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर मानसता बार-बार उसी रास्ते पर क्यों लौटती है, जिसका अंतिम पड़ाव विनाश ही रहा है?

युद्ध का सबसे भयावह पक्ष यह है कि उसके निर्णय कुछ शक्तिशाली लोग लेते हैं, लेकिन उसकी कीमत सामान्य मनुष्य चुकता है। सत्ता के गलियारों में लिए गए फैसलों का असर किसी दूर गांव में रहने वाले किसान पर पड़ता है, किसी शहर में काम करने वाले मजदूर पर पड़ता है, किसी मां की गोद में पल रहे बच्चे पर पड़ता है और उस सैनिक के परिवार पर पड़ता है, जो सीमा पर अपनी जान गंवा देता है। युद्ध में गिरे वाला हर सैनिक केवल एक संख्या नहीं होता; वह किसी मां का बेटा, किसी पत्नी का जीवनसाथी, किसी बच्चे का पिता और किसी परिवार का भविष्य होता है। बम जब किसी इमारत को गिराता है तो केवल ईंट-पत्थर नहीं गिरते, उनके साथ स्मृतियाँ, रिश्ते, सपने और जीवन की छोटी-छोटी उम्मीदें भी मलबे में दब जाती हैं।

महात्मा गांधी ने अहिंसा को मानवता का सबसे बड़ा अस्त्र माना था। उनके विचार का सार यही था कि हिंसा का उत्तर हिंसा देने से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि उसका विस्तार होता है। उनसे जोड़ा जाने वाला प्रसिद्ध कथन—‘आँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी’—आज के परमाणु और मिसाइल युग में और भी अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। यदि प्रत्येक राष्ट्र अपने अपमान का बदला अधिक बड़ी शक्ति से लेने लगे, तो यह परिस्पर्धा कहां जाकर रुकेगी? एक मिसाइल के जवाब में दूसरी मिसाइल, एक हमले के जवाब में और बड़ा हमला और फिर उसके जवाब में उससे भी व्यापक प्रतिशोध—यह हिलसिला अंततः किस विजय देगा? शायद किसी को नहीं। केवल कब्रिस्तान बढ़ेंगे, शहर उजड़ेंगे और मृत्यु की संवेदना घायल होगी।

गौतम बुद्ध ने भी मानव जीवन में करुणा, मैत्री और शांति को सर्वोच्च स्थान दिया। उनका संदेश था कि घृणा से घृणा समाप्त नहीं होती, प्रेम और करुणा से ही उसका अंत संभव है। यह केवल आध्यात्मिक शिक्षा नहीं, बल्कि आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक गंभीर संदेश है। राष्ट्रों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। सुरक्षा, सीमाएं, संसाधन, राजनीतिक हित और राष्ट्रीय स्वाभिमान जैसे प्रश्न जटिल हो सकते हैं, लेकिन जटिलता का अर्थ यह नहीं कि उनका समाधान केवल युद्ध ही है। जब संवाद के दरवाजे बंद होते हैं, तब हथियार बोलने लगते

सबसे चिंताजनक बात यह है कि युद्ध केवल मानवीय जीवन को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर देता है। ऊर्जा और तेल की आपूर्ति प्रभावित होने पर दुनिया के अनेक देशों में महंगाई बढ़ सकती है। परिवहन, उद्योग, खाद्यान्न, रोजगार और व्यापार पर उसका असर पड़ता है। जिन देशों का प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में कोई पक्ष नहीं होता, उनके नागरिक भी अप्रत्यक्ष रूप से इसकी कीमत चुकाते हैं। गरीब और विकासशील देशों पर इसका बोझ और अधिक पड़ता है। इस तरह कुछ देशों के बीच शुरू हुआ संघर्ष करोड़ों लोगों के जीवन की आर्थिक कठिनाइयों में बदल सकता है।

युद्ध बच्चों से उनका बचपन छीन लेता है। विद्यालयों की जगह शरणस्थल बन जाते हैं, खेल के मैदानों की जगह मलबे

प्रवासी परिवार हो या बूढ़ा नागरिक—हर नाम के पीछे एक जीवन, एक संघर्ष और एक उम्मीद है। नाम मिटाना कुछ सेकंड का काम हो सकता है, लेकिन उससे जन्मा अविश्वास वर्षों तक पीछा करता है। लोकतंत्र की स्याही कागज पर सूख जाती है, मगर भरोसे पर पड़ी खरोंच आसानी से नहीं मिटती। इसलिए सफाई ऐसी हो जिसमें गलतियाँ हटें, नागरिक नहीं, दोहरी प्रविष्टियाँ मिटें, किसी का अधिकार नहीं।

उत्तराखंड की यह पहली किसी दल, समुदाय या जिले भर की समस्या नहीं, पूरी व्यवस्था की परीक्षा है। चार मैदानी जिलों से 80-85 प्रतिशत नाम हटाने के आवेदन आए हैं तो यह आंकड़ा जांच मांगता है, प्रश्नमां नहीं। पहाड़ों की शांति को भी पूर्ण शुद्धता का फैसला नहीं माना जा सकता। हर नाम पर समान नियम, हर शिकायत पर समान जांच और हर नागरिक को समान अधिकार—यही लोकतंत्र की असली कसौटी है। चुनाव केवल मशीन, बूथ और मतपत्र नहीं, उस भरोसे का नाम है जिसमें नागरिक को यकीन होता है कि उसकी आवाज गिनी जाएगी। इसलिए आखिरी सवाल यही है—हम मतदाता सूची साफ कर रहे हैं या लोकतंत्र का आईना? आईना साफ होना चाहिए, मगर उसे पोंछते-पोंछते उसमें दिखने वाले चेहरे ही मिट जाएं, तो उस साफ आईने का अर्थ ही क्या रह जाएगा?

—**प्रो. आरके जैन**

हैं और जब हथियार बोलते हैं, तब सबसे पहले मनुष्य की आवाज दबती है। आज का युद्ध बीसवीं सदी के युद्धों से कहीं अधिक खतरनाक है। अब युद्ध केवल बंदूक, टैंक और मिसाइल तक सीमित नहीं है। ड्रोन, साइबर हमले, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालित हथियार, उपग्रह तकनीक और परमाणु शक्ति ने युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया है। जिस कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष अनुसंधान और मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है, वही तकनीक यदि विनाशकारी सैन्य उद्देश्यों में इस्तेमाल होने लगे तो उसके परिणामों की कल्पना करना भी भयावह है। विज्ञान स्वयं दोषी नहीं है, प्रश्न उसके उपयोग का है। वैज्ञानिक उपलब्धियां मानव जीवन को सुप्रतिष्ठ बनाने के लिए हैं या उसे समाप्त करने के लिए—यह निर्णय मनुष्य को ही करना है।

अल्बर्ट आइंस्टीन की वह प्रसिद्ध चेतावनी आज भी मानवता को झकझोरता है कि उन्हें नहीं मालूम तीसरा विश्व युद्ध किस हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्व युद्ध पथरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। इस कथन के पीछे छिपी आशंका परमाणु युद्ध के संभावित परिणामों की ओर संकेत करती है। यदि परमाणु शक्ति का इस्तेमाल व्यापक युद्ध में हुआ तो विजेता और पराजित का अंतर भी शायद अर्थहीन हो जाएगा। युद्ध समाप्त होने के बाद भी विकिरण, प्रदूषण, बीमारी, विस्थापन और पीढ़ियों तक चलने वाली पीड़ा मनुष्य का पीछा कर सकती है। इसलिए परमाणु शक्ति का वास्तविक विवेकपूर्ण उपयोग युद्ध जीतना नहीं, युद्ध को रोकना होना चाहिए।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था कि अंधकार अंधकार को समाप्त नहीं कर सकता, केवल प्रकाश ही उसे दूर कर सकता है। यही बात राष्ट्रों के बीच संबंधों पर भी लागू होती है। हिंसा से हिंसा को समाप्त करने की कोशिश वैसी ही है जैसे आग बुझाने के लिए आग का इस्तेमाल करना। युद्ध कुछ समय के लिए किसी पक्ष को सामरिक बढ़त दे सकता है, लेकिन स्थायी शांति नहीं दे सकता। स्थायी शांति के लिए संवाद, विश्वास, समझौता और पारस्परिक सम्मान आवश्यक हैं। इतिहास इस बात का साक्ष्य है कि अनेक कठिन संघर्ष अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त हुए हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि युद्ध केवल मानवीय जीवन को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर देता है। ऊर्जा और तेल की आपूर्ति प्रभावित होने पर दुनिया के अनेक देशों में महंगाई बढ़ सकती है। परिवहन, उद्योग, खाद्यान्न, रोजगार और व्यापार पर उसका असर पड़ता है। जिन देशों का प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में कोई पक्ष नहीं होता, उनके नागरिक भी अप्रत्यक्ष रूप से इसकी कीमत चुकाते हैं। गरीब और विकासशील देशों पर इसका बोझ और अधिक पड़ता है। इस तरह कुछ देशों के बीच शुरू हुआ संघर्ष करोड़ों लोगों के जीवन की आर्थिक कठिनाइयों में बदल सकता है।

युद्ध बच्चों से उनका बचपन छीन लेता है। विद्यालयों की जगह शरणस्थल बन जाते हैं, खेल के मैदानों की जगह मलबे

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अर्थव्य्थता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अर्थव्य्थता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई इस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अर्थव्य्थता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पक्षिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति

बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्दाओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी किन्तनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोलीं हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्रांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी पहली बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन

बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्दाओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकोनॉमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रागति हुई है।

यहां ‘डी-डॉलरइजेशन’ का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी भी साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं।

—**ललित गर्ग**

बैर से बैर शांत नहीं होता जबकि प्रेम से प्रेम बढ़ जाता है

पर्युषण का प्राण तत्व ही है क्षमा- भाग्यवंत भाई, धर्मेश भाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्युषण के अंतर्गत तय्यार वार्षिक कर्तव्यों का भी उल्लेख आता है । वर्षभर में इन्हे भी हमें पूर्ण करना चाहिए। ये कर्तव्य है- संघ पूजन, साधर्मिक भक्ति, तीर्थ यात्रा, स्नात्र महोत्सव, देवद्रव्य वृद्धि, महापूजा, रात्रि जागरण, रस्त पूजा, उद्यापन, तीर्थ प्रभावना, आलोचना प्रायश्चित। पर्वाधिराज पर्युषण हमारे जीवन का प्राण है, शुद्धि का सूत्र है, हृदय का हार है। पर्युषण का दूसरा नाम क्षमापना पर्व भी है। क्षमापना है तो ही पर्युषण की सार्थकता है। मिच्छामि-दुक्खम कक्कर हम क्षमापना करते है। मिच्छा का अर्थ है मिथ्या, दुक्खम का अर्थ नष्ट होना है। मेरे जीवन की सभी मिथ्या भाव समाप्त हो जाए यहीं क्षमापना की शुद्ध भावना है। शास्त्रो ने भी कहा है बैर थी बैर शमें नही जगमां, प्रेम थी प्रेम बधे आलम मां । बैर से बैर को शांत नहीं कर सकते, लेकिन प्रेम को प्रेम से बहु गुणित कर सकते है। जलन, क्षमा के जल से ही शांत हो सकती है। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में



पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन विशाल धर्मसभा में वीर सैनिक भाग्यवंत भाई , मेहुल भाई, धर्मेश भाई, भव्य भाई ने यह बात कही। आपने कहा कि प्रभु का दास कभी उदास नहीं होता है। क्षमा मांगना सरल है लेकिन क्षमा करना अत्यंत दुष्कर कार्य है। इसीलिए तो क्षमा को वीरो का आधुषण माना गया है, कायरो का नहीं। जिसके मन में उदारता, विशालता, गंभीरता होती है वहीं क्षमा कर सकता है। आप जीवन में किसी से भी लड़ झगड़ लो लेकिन

शत्रुता की गांठ कभी मत बांधना । क्योंकि उसके बाद सुलह सारे रास्ते भी बंद हो जाते है और यह गांठ जन्म-जन्मांतर तक शत्रुता के रूप में बनी रहेगी। क्षमा पांच प्रकार की होती है- उपकार क्षमा याने अपने उपकारी की गलतियों को क्षमा करना। अपकार क्षमा याने जिसने हमें सदैव तकलीफ दी हो उसे भी क्षमा करना। विपकार क्षमा याने क्रोध के दुष्परिणाम को जानकर क्षमा करना। वचन क्षमा याने परमात्मा के वचन को याद करके क्षमा करना । धर्मक्षमा याने जिस व्यक्ति का स्वभाव ही क्षमापूर्ण रहता है। वह सदैव क्षमा को धर्म के रूप में ही धारण कर लेता है। आग को खत्म करने के लिये पेट्रोल का नहीं ठंडे जल का उपयोग करने में ही बुद्धिमानी है। क्रोध की कालिमा को हटाकर क्षमा की सहजता-सरलता तथा सरसता को ही दिल दिमाग में उतारकर

शांति का शंखनाद करना चाहिये।

आज के कार्यक्रम- प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि आज पर्युषण के तृतीय दिवस पर श्री नवपद जी पूजन का लाभ छानलाल खबचंद जैन त्रिभूति परिवार ने प्राप्त किया। सुबह प्रतिक्रमण एवं सामूहिक स्नात्र पूजन का दिव्य अनुष्ठान हुआ। कल्पसूत्रजी की भक्ति भावना का लाभ दिलीप कुमार मांगीलाल जैन गौतमपुरा वाला परिवार ने प्राप्त किया। महाआरती पश्चात देर रात तक कल्पसूत्र की संगीतमय भक्ति भावना का कार्यक्रम चलता रहा। जिसमें श्रद्धालु भक्त झुमते नाचते रहे। इस अवसर पर मुकेश चौधरी ,अरविंद जैन मामा ,कालू संघवी ,संजय कटारिया ,विलास तरवेचा ,मनीष जैन ,संजय तरवेचा, विनय जैन आदि उपस्थित थे।

आगामी कार्यक्रम- आगामी कार्यक्रम के अंतर्गत 11 सितम्बर को सुबह 8.30 बजे कल्पसूत्र वांचन प्रारंभ एवं दोपहर में नवपदजी पूजन मांगीलाल छानीराम जैन परिवार द्वारा होगा।

हीनों से अधूरी पड़ी सड़क और बदहाल त्यत्वस्था के खिलाफ शिवसेना ने किया आंदोलन का ऐलान

14 सितंबर तक निर्माण शुरू नहीं हुआ तो 15 सितंबर को सड़क पर उतरेगी शिव सेना

बड़नगर/ महेश सोनगर। दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में महीनों से बंद पड़े सड़क निर्माण, लोक निर्माण विभाग की वादाखिलाफी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की आपराधिक चुप्ली के खिलाफ शिवसेना ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। शिवसेना नेताओं ने प्रशासन और ठेकेदार को दो टूक अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि सोमवार तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया, तो मंगलवार को शिवसेना आम जनता के साथ सड़कों पर उतरकर उग्र जन-आंदोलन छेड़ेगी।

शिवसेना नेता प्रभात पुरानिया और संतोष बगेरवाल ने संयुक्त बयान में स्थानीय नेता नगरी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बड़नगर में इस समय पूरी तरह अंधेर नगरी, चौपट राजा वाला आलम बना हुआ है। शहर की जनता महीनों से नरक भोगने को मजबूर है, लेकिन चुनाव में बड़े-बड़े वादे करने वाले जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार नेता आखें मूंदकर तमाशाबीन बने बैठे हैं। जनता की इस बदहाली से किसी भी जनप्रतिनिधि को



कोई सरोकार नहीं रह गया है।

नेताओं ने बताया कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने दावा किया था कि सावन माह बीतते ही सड़क का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया जाएगा। अब सावन बीते लगभग 15 दिन होने को आए हैं, रक्षाबंधन, कृष्ण जन्माष्टमी और प्रमुख धार्मिक सवारियों जैसे बड़े पर्व भी बीत गए, किंतु सड़क निर्माण कार्य का एक पत्थर तक नहीं हिला।

मच्छ्रों का प्रकोप, बीमारियों का साया और बदहाल रास्ते- शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि ठेकेदार की मनमानी से कहीं सड़क बना दी गई तो कहीं बीच में ही छोड़ दी गई है। स्थिति यह है कि जगह-जगह बारिश और गंदे पानी के बड़े-बड़े तालाब बन चुके हैं। इन गंदे पानी में सड़ने पानी के कारण भारी तादाद में मच्छर पनप रहे हैं, जिससे आसपास के रहवासियों व व्यापारियों में डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर और मौसमी संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ गया है।

वहीं कीचड़, उड़ती धूल और भीषण ट्रैफिक जाम के कारण राहगीरों व स्कूली बच्चों का निकलना दूषर हो गया है और आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

शिवसेना को दो टूक चेतावनी- शिवसेना नेताओं ने चेताया कि जनता के सब्र का प्याला अब भर चुका है। विभाग और प्रशासन के पास कार्य शुरू कराने के लिए सोमवार तक का समय है।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शाजापुर में कार्यशाला आयोजित



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में 17 सितम्बर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले «सेवा संकल्प अभियान» की तैयारियों के संबंध में विधानसभा शाजापुर में अभियान की गतिविधियों के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत सभागृह शाजापुर में आज कार्यशाला आयोजित की गई।

इस दौरान कार्यशाला में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों जिसमें आशीर्वाद का दीया, 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भासत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा गुणदान, सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार, रंगोली राष्ट्र शीम की जानकारी दी गई। शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावद ने विधानसभा स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में व्यापक रूप से आमजनों के साथ सहभागिता, योजनाओं का क्रियान्वयन करें। साथ ही उन्होंने इस दौरान विभिन्न गतिविधियों को सम्मिलित करते हुए 17 सितम्बर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक गतिविधियां आयोजित कराने के लिए कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रेम जैन, डॉ. रवि पाण्डे, श्री रंरेंद्र यादव, श्री आशीष नागर, श्री शीतल भावसार, श्री हरिओम गोठी, अनुविभागीय अधिकारी सुशी मनीषा वाक्कले, जिला पंचायत अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जितेंद्र सिंह सेगर,समस्त ब्लॉक अधिकारी सहित जनप्रतिनिधिगण, विधानसभा शाजापुर की ग्राम पंचायतो के सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक व समस्त विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गौतमपुरा में आज मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर, 16 से अधिक विभागीय स्टॉल, जिला अधिकारियों की मौजूदगी में होगा जनसंवाद; कलेक्टर शिवम वर्मा करेंगे विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर का आयोजन आज शुक्रवार को गौतमपुरा नगर में किया जाएगा। शिविर को लेकर जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शिविर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 16 से अधिक विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे। शिविर में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा सहित जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। संपूर्ण आयोजन की व्यवस्थाओं की निगरानी देपालपुर एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा के निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में की जा रही है।

11 बजे से शुरू होगा जिला अधिकारियों का मैदानी दौरा- निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह करीब 11 बजे जिला प्रशासन के अधिकारी गौतमपुरा पहुंचेंगे। अधिकारी सबसे पहले नगर परिषद गौतमपुरा के एफएसटीओ प्लांट का निरीक्षण करेंगे। यहां अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी सहभागिता की



जाएगी। इसके पश्चात अधिकारी बस स्टैंड क्षेत्र में सामूहिक स्वच्छता अभियान में शामिल होंगे। जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने विभागों से संबंधित संस्थानों एवं योजनाओं का मैदानी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।

कलेक्टर करेंगे प्रमुख संस्थानों का निरीक्षण- कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा गौतमपुरा क्षेत्र में विभिन्न शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया जाएगा। इसमें शासकीय स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, अस्पताल एवं उच्चत मूल्य की दुकान प्रमुख रूप से शामिल हैं। निरीक्षण

के दौरान मूलभूत सुविधाओं, सेवा वितरण, व्यवस्थाओं एवं शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया जाएगा।

मंडपम रेस्टोरेंट के टीनसेट में होगा जनसंवाद- शिविर का प्रमुख आकर्षण जनसंवाद कार्यक्रम रहेगा। मंडपम रेस्टोरेंट के टीनसेट में आयोजित होने वाले जनसंवाद में आम नागरिक अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं समस्याओं का निराकरण करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएंगे।

एक ही परिसर में कई शासकीय सेवाएं- मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्रार लगाने के बजाय शिविर स्थल पर ही आवश्यक मार्गदर्शन एवं सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा

शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं आधार केंद्र के माध्यम से नागरिकों के आधार कार्ड से संबंधित कार्य एवं आवश्यक सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल के माध्यम से शासन की योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा विभागीय सेवाओं की जानकारी भी नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रशासन का फोकस-निरीक्षण, सेवा वितरण और त्वरित समाधान- मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर को केवल जनसुनवाई तक सीमित न रखते हुए फील्ड इंस्पेक्शन, विभागीय समीक्षा, सेवा वितरण एवं नागरिक समस्याओं के त्वरित निराकरण से जोड़ा गया है। जिला अधिकारियों की मौके पर मौजूदगी से विभिन्न विभागों की जमीनी कार्यप्रणाली की समीक्षा के साथ नागरिकों को सीधे प्रशासनिक तंत्र से संवाद का अवसर मिलेगा। शिविर को लेकर नगर परिषद एवं जिला प्रशासन द्वारा स्थल व्यवस्था, विभागीय स्टॉल, अधिकारियों की उपस्थिति, स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

माँ अहिल्या भक्ति में सराबोर हुआ देपालपुर, गूंजे जयकारे

धर्म, न्याय और लोककल्याण की प्रतीक मां अहिल्याबाई की 231वीं पुण्यस्मृति पर निकली भव्य पालकी यात्रा

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्म, न्याय, सेवा और लोककल्याण की जीवंत मिशाल एवं प्रातः स्मरणीय लोकमाता मां अहिल्याबाई होलकर की 231वीं पुण्यस्मृति के अवसर पर देपालपुर नगर श्रद्धा, आस्था और गौरव के रंग में रंगा नजर आया। देवी अहिल्या उत्सव समिति के तत्वावधान में निकली भव्य पालकी यात्रा ने नगर की गलियों से गुजरते हुए लोकमाता के आदर्शों और उनकी लोकसेवा की स्मृतियों को जीवंत कर दिया। यात्रा के दौरान जगह-जगह गूंजे जयकारों, पुष्पवर्षा और श्रद्धालुओं के उत्साह ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। देवी अहिल्या उत्सव समिति के अध्यक्ष जगदीश माथुर एवं सचिव विमल यादव के नेतृत्व में पालकी यात्रा का शुभारंभ मंगलेश्वर महादेव मंदिर से विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। सुसज्जित पालकी में मंगलेश्वर महादेव मां अहिल्याबाई की तस्वीर विराजमान रही। पालकी जैसे ही नगर भ्रमण के लिए आगे बढ़ी, श्रद्धालुओं का कारवां भी उसके साथ जुड़ता चला गया। यात्रा नगर के विभिन्न मोहल्लों, प्रमुख चौराहों, नाकों एवं बस स्टैंड से होकर गुजरी। मार्ग में स्थित मंदिरों, विद्यालयों



एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर पालकी का स्वागत करते हुए मंगलेश्वर महादेव और मां अहिल्याबाई की तस्वीर का विधिवत पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर लोकमाता को नमन किया और उनके बताए धर्म, न्याय एवं सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। पालकी यात्रा में श्री कृष्णा व्यायामशाला अखाड़े के पहलवानों ने पारंपरिक शौर्य और शक्ति प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए। अखाड़े के पहलवानों के दमखम और रोमांचक प्रदर्शन ने राहगीरों एवं दर्शकों को अपनी ओर खींच लिया। जगह-जगह लोग रुककर अखाड़े के

कार्यों को देखते नजर आए और तालियों के साथ पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। पालकी यात्रा की भव्यता में सरस्वती शिशु मंदिर एवं मालवा पब्लिक स्कूल के बैंड दल ने भी विशेष रंग भर। बैंड की अनुशासित प्रस्तुति और धार्मिक धुनों के बीच पालकी यात्रा आगे बढ़ती रही। विद्यार्थियों की सहभागिता ने आयोजन को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वरूप भी प्रदान किया। पालकी यात्रा केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें मां अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके लोककल्याणकारी कार्यों को भी याद किया गया। श्रद्धालुओं ने कहा कि मां अहिल्याबाई का जीवन हमें न्याय, समाज में सेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उनका जीवन आज भी समाज को कर्तव्य, करुणा और जनसेवा की प्रेरणा देता है। नगर भ्रमण के पश्चात पालकी यात्रा पूरा: मंगलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां विधिवत पूजन-अर्चन के साथ यात्रा का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान नगर में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में नागरिकों और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को भव्यता प्रदान की।



तिवारी, डॉ. स्नेहा युथम एवं डॉ. भारती लाहोरिया सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी, शिक्षकाण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. विजया सकपाल ने अपने संबोधन में कहा, यदि कोई व्यक्ति तनाव, अकेलेपन, निराशा या भावनात्मक परेशानी से गुजर रहा है, तो उसे कभी अकेला न छोड़ें। उसकी समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनना और सही समय पर उचित मार्गदर्शन या

डॉक्टरों सहायता उपलब्ध कराना ही आत्महत्या रोकथाम की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

आत्महतास विश्वविद्यालय के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी ने अपने संदेश में कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज और जरूरतमंद व्यक्तियों का संबल बनें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने, तनावग्रस्त लोगों की मदद करने और एक सहयोगात्मक व संवेदनशील वातावरण बनाने का संकल्प लिया।

टोंकखुर्द क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान



देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आबकारी आयुक्त म.प्र. द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में, देवास जिले में कलेक्टर ऋगुराज सिंह के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान अंतर्गत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अनुक्रम में आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा वृत्त टोंकखुर्द के

ग्राम दोंता जागीर सांसी मोहल्ला एवं ग्राम चिड़ावद कंजर डेरा में कार्यवाही कर लगभग 1050 किलोग्राम महुआ लाहन, 30 लीटर हाथ भट्ठी मदिरा जप्त कर कुल 05 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए। बरामद सामग्री का अनुमानित मूल्य 111000/- है। आज की कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीलेश पवार, आबकारी उपनिरीक्षक कैलाश जामोद, राजश्री खन्ना गहलोत, अरविंद सोलंकी,रवि मुकाती , योगेन्द्र सिंह ठाकुर, दीपक धुरिया तथा आबकारी मुख्य आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, गोविंद बड़ावदीया ,सुरेंद्र वर्सी, अरविंद जिनवाल आबकारी आरक्षक सनत ओझा, निहाल खत्री, निकिता परमार, सविता धाकड़ एवं नगर सैनिक अनिल चौहान सम्मिलित रहे।इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

नूतन स्कूल के समीप खुली जगह पर किया सौंदर्यिकरण



उक्त स्थल को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करते हुए नागरिकों के बैठने के लिए वेस्ट प्लास्टिक मेटेरियल से बनी कुर्सि एवं गमलों रखकर सौंदर्यिकरण किया गया। निगम सहयोगी संस्था फीडबैक फाउंडेशन द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ खुली जगहों को भी स्वच्छ, व्यवस्थित एवं सुंदर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयुक्त ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों का गीला एवं सुखा कचरा अलग अलग डस्टबीनों के एकत्रित कर निगम की घर घर आने वाली कचरा संग्रहण वाहनों मे ही कचरा डालें तथा स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में निगम को सहयोग प्रदान करें। कार्यवाही के दौरान निगम स्वच्छता निरीक्षक ओमप्रकाश पथरोड़, स्वच्छ भारत मिशन से अरुण तोंमर, वार्ड वंदोंगा के साथ संस्था फीडबैक फाउंडेशन टीम लीडर विभा गुप्ता एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

प्रदर्शन को देखते नजर आए और तालियों के साथ पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। पालकी यात्रा की भव्यता में सरस्वती शिशु मंदिर एवं मालवा पब्लिक स्कूल के बैंड दल ने भी विशेष रंग भर। बैंड की अनुशासित प्रस्तुति और धार्मिक धुनों के बीच पालकी यात्रा आगे बढ़ती रही। विद्यार्थियों की सहभागिता ने आयोजन को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वरूप भी प्रदान किया। पालकी यात्रा केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें मां अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके लोककल्याणकारी कार्यों को भी याद किया गया। श्रद्धालुओं ने कहा कि मां अहिल्याबाई का जीवन हमें न्याय, समाज में सेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उनका जीवन आज भी समाज को कर्तव्य, करुणा और जनसेवा की प्रेरणा देता है। नगर भ्रमण के पश्चात पालकी यात्रा पूरा:

मंगलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां विधिवत पूजन-अर्चन के साथ यात्रा का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान नगर में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में नागरिकों और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को भव्यता प्रदान की।

करोड़ों लोगों का दिल जीत रही ड्यूरागार्ड सीमेंट

शुजालपुर की प्रसिद्ध होटल में राजमिस्त्री सम्मेलन संपन्न, क्षेत्र के सैकड़ों राजमिस्त्री हुए शामिल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपने सपनों का आशियाना बनाने वाले लोगों के लिए मजबूत और टिकाऊ निर्माण सामग्री का चयन बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसी कड़ी में नुबोको ड्यूरागार्ड सीमेंट ने निर्माण क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। बुधवार को शुजालपुर शहर की प्रसिद्ध तनीश्री श्री होटल में ड्यूरागार्ड सीमेंट की ओर से शुजालपुर क्षेत्र के राजमिस्त्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में राजमिस्त्री शामिल हुए। इस दौरान ड्यूरागार्ड सीमेंट की गुणवत्ता, मजबूती, जंगरोधक क्षमता तथा निर्माण कार्य में इसके उपयोग से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।



राजमिस्त्रियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए ड्यूरागार्ड सीमेंट को निर्माण कार्य के लिए बेहतर विकल्प बताया। राजमिस्त्रियों का कहना था कि निर्माण

कार्य में सीमेंट की गुणवत्ता का सीधा असर मकान की मजबूती और उसकी उम्र पर पड़ता है। ड्यूरागार्ड सीमेंट के साथ काम करने में उन्हें सुविधा महसूस होती है और

निर्माण कार्य को बेहतर तरीके से पूरा करने में मदद मिलती है।

क्षेत्र के लोगों ने कहा- ड्यूरागार्ड से अच्छे कोई सीमेंट नहीं - कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मदाना के सरपंच गोविंद मालवीय भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पंचायत स्तर के विभिन्न निर्माण कार्यों में उन्होंने अलग-अलग कंपनियों की सीमेंट का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि ड्यूरागार्ड सीमेंट के उपयोग के बाद निर्माण कार्य की मजबूती और

फिनिशिंग में बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं।

मिस्त्री नाहर सिंह लोहार ने बताया मजबूत और जंगरोधक सीमेंट-राजमिस्त्री

नाहर सिंह लोहार ने कहा कि ड्यूरागार्ड सीमेंट मजबूती के साथ-साथ जंगरोधक क्षमता के लिए भी बेहतर है। उन्होंने कहा कि इससे काम करने वाले मिस्त्रियों को सुविधा रहती है और मकान मालिकों को भी मजबूत निर्माण का लाभ मिलता है। उन्होंने आम लोगों से निर्माण कार्य में गुणवत्तापूर्ण सीमेंट का उपयोग करने की अपील की।

ये रहे मौजूद - सम्मेलन में सी एंड एफ ऋषभ ट्रेडर्स के संचालक ऋषभ जैन, कंपनी के सेल्स अधिकारी सचिन साहनी, मंसूरी बिल्डिंग मटेरियल के संचालक राजू मंसूरी, तकनीकी टीम से पंकज कुशवाहा एवं सदीप पाटीदार, ग्राम पंचायत मदाना के सरपंच गोविंद मालवीय, पत्रकार अमर सिंह मेवाड़ा सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में राजमिस्त्री मौजूद रहे।

इंदौर से चारभुजानाथ धाम जा रही पदयात्रा का बड़ावदा में भव्य स्वागत

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर से राजस्थान के प्रसिद्ध श्री चारभुजानाथ धाम के लिए निकली 17 दिवसीय श्री हरि दर्शन पदयात्रा महोत्सव का गुरुवार को बड़ावदा नगर में आगमन हुआ। नगर में प्रवेश पर वरिष्ठ पत्रकारों, समाजसेवियों एवं आमजन ने पदयात्रियों का आत्मीय स्वागत कर यात्रा के मंगलमय एवं सफल होने की कामना की।

श्री चारभुजानाथ पैदल यात्री संघ, इंदौर के तत्वावधान में आयोजित यह निःशुल्क पदयात्रा 6 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक आयोजित की जा रही है। यात्रा का यह आयोजन लगातार 40 वर्षों से श्रद्धा एवं आस्था के साथ किया जा रहा है। यात्रा का प्रमुख पड़ाव राजस्थान के श्री रूपनारायण जी, सेवेत्री सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों से जुड़ा है।

नगर में यात्रा के पहुंचने पर सर्वप्रथम ध्वज पूजन एवं



ठाकुरजी की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद पदयात्रियों का पुष्पमाला एवं आत्मीय भाव से स्वागत-सम्मान किया गया। लंबी दूरी की पदयात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति ने नगर का वातावरण भक्तिमय कर दिया।

इस अवसर पर स्वागतकर्ताओं में नितिन जोशी, गोपाल जोशी, सुभाष काकाणी, गौरव काकाणी, कैलाश झाला, मनोज जोशी, चेतन राठौड़, पवन बैरागी, भेरू, प्रवीण व्यास सहित वरिष्ठ नागरिक, पत्रकार, समाजसेवी एवं आमजन उपस्थित रहे।

यात्रा संयोजक संतोष हीरालाल जी जोशी (सन्द्), बिजनोल ने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को भगवान श्री चारभुजानाथ के दर्शन कराना तथा धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। पदयात्रियों के नगर आगमन पर मिले खेह और सम्मान के लिए उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया।

कुओं से 8 से अधिक किसानों की विद्युत केबल चोरी, थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग



बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में बुधवार रात अज्ञात चोरों ने किसानों के कुओं पर लगी विद्युत केबल को निशाना बनाया। चोर अलग-अलग स्थानों पर स्थित 8 से अधिक किसानों के कुओं से विद्युत केबल चोरी कर ले गए। गुरुवार सुबह

किसानों को चोरी की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने बड़ावदा थाने पहुंचकर सामूहिक रूप से आवेदन दिया और अज्ञात चोरों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की।

किसान घनश्याम राठौड़ ने बताया कि उनके कुएं पर लगी करीब 60 से 70 फीट कॉपर की विद्युत केबल अज्ञात चोर चोरी कर

ले गए। इसी प्रकार आसपास के किसान बालकिशन राठौड़, जगदीश राठौड़, खेमराज राठौड़, पंकज राठौड़ सहित अन्य किसानों के कुओं से भी केबल चोरी होने की जानकारी सामने आई है। किसानों के अनुसार एक ही रात में कई स्थानों पर चोरी की वारदात होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी संतोष चौरसिया एवं एसआई जगदीश कुमार ने संबंधित स्थानों का मौका मुआयना किया। पुलिस ने किसानों से जानकारी लेकर अज्ञात चोरों की तलाश एवं मामले की जांच शुरू कर दी है। किसानों ने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़कर विद्युत केबल बरामद करने और सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रोग्रेसिव पेंशनर संगठन की बैठक संपन्न



से चर्चा की गई। साथ ही कई नवीन कार्यों को लेकर उपस्थित सदस्यों से सहमति एवं स्वीकृति प्राप्त की गई।

ब्लॉक अध्यक्ष कदार सिंह राजपूत एवं कार्यकारी अध्यक्ष सुशील कुमार गेहलोत ने बताया कि संगठन का विस्तार करने के उद्देश्य से नवीन सदस्यता अभियान प्रारंभ किया जाएगा। अभियान के माध्यम से अधिक पेंशनरों को संगठन से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। संगठन से जुड़ने वाले नवीन सदस्यों के सम्मान में 20 सितंबर को श्री बालाजी आश्रम, श्रीरंगपुर में स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा प्रत्येक माह के अंत में उन सदस्यों का भी स्वागत एवं सम्मान किया जाएगा, जिनका उस माह जन्मदिवस होगा। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में रमेश राजपूत, राधेश्याम पटेल, गजराज सिंह जायसवाल, राजेंद्र परमार, चंद सिंह सिकवार, प्रेम सिंह मंडलोई, नंदलाल चौहान, गोपाल प्रसाद व्यास, बंशीधर शर्मा, खुशी लाल राजपूत, अजीज खां सहित संगठन के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गोगा नवमी पर वाल्मीकि समाज ने निकाला छड़ी चल समारोह



समारोह निकाला गया।

दोपहर 3 बजे संजय कॉलोनी स्थित गोगा देव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद चल समारोह प्रारंभ हुआ। इसमें समाज की महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए।

गोगा देव के जयकारों के साथ बैंड पर बज रहे भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए टप्पा चौराहा पहुंचे। यहां श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट नगर इकाई अकोदिया द्वारा स्वागत स्टॉल लगाया गया।

जिला अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार गेहलोत के नेतृत्व में ट्रस्ट के सदस्यों ने चल समारोह में शामिल समाजजनों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तथा चिप्स का वितरण किया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि नगर में होने वाले सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों का स्वागत करना संस्था की परंपरा है और आगे भी ऐसे आयोजनों में सहयोग जारी रहेगा।

इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, रामनारायण कुशवाहा, नगर मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, दीपक अग्रवाल, शरद जैन, संतोष शर्मा, नाना, गोलू गुप्ता, मोहित माली सहित अनेक श्याम प्रेमी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय ने आलोट का दौरा किया



आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय द्वारा आलोट का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के अधिकारियों के साथ बैठक में क्षेत्र की समस्याओं एवं अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की जनपद पंचायत आलोट में समीक्षा की गई।

तत्पश्चात श्री मालवीय द्वारा आलोट में स्थित अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन बालक छात्रावास आलोट, अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास ताल, अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास कलाडिया, अनुसूचित जाति उत्कृष्ट सीनियर बालक छात्रावास आलोट, अनुसूचित जाति जुनियर बालक छात्रावास आलोट, अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास आलोट तथा अनुसूचित जाति कन्या जुनियर छात्रावास आलोट का निरीक्षण किया। इस दौरान छात्रावासों में वृक्षारोपण भी किया गया।

गांव-गांव तक पहुंचेगा सेवा संकल्प अभियान, कार्यकर्ता पूरी ताकत से अभियान में जुटे जिलाध्यक्ष भारती

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर भाजपा बिड़वाल मंडल की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को किशनपुरा पंचायत के ग्राम पाजापाड़ा में आयोजित हुई। बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती के आतिथ्य में संपन्न हुई।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील मोदी, जिला सह कार्यालय मंत्री अनामिका ठाकुर, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष अक्षय शर्मा, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील वसुनिया, जिला पंचायत सदस्य विक्रम पटेल, जनपद सदस्य बाबूलाल



महामंत्री सदीप मरगला एवं वीरेन्द्रसिंह पटेल सहित कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का स्वागत किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने बैठक को संबोधित करते हुए सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की विस्तार से

गिरवाल, सरपंच भीमा भूरिया एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष पवन डोड अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। बैठक की शुरुआत मां सरस्वती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंडल अध्यक्ष संतोष ढोलकिया ने स्वागत भाषण दिया। मंडल

सावित्री ठाकुर की ओर से 4 पंचायतों को दिए गए टैंकर भी सरपंचों व प्रतिनिधियों को भेंट किए गए। इस दौरान भाजपा मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। यह जानकारी भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होना देश के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर पर सेवा, जनकल्याण एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को गांव-गांव और बृथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भी कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। अन्य अतिथियों ने भी बैठक को संबोधित किया। बैठक पश्चात सांसद सावित्री ठाकुर की ओर से 4 पंचायतों को दिए गए टैंकर भी सरपंचों व प्रतिनिधियों को भेंट किए गए। इस दौरान भाजपा मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। यह जानकारी भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

जमानत निरस्त होने के बाद फरार 20 साल की सजा वाला आरोपी सिद्धीक गिरफ्तार

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गंभीर अपराध में 20 वर्ष के कारावास से दंडित होने के बाद जमानत पर बाहर आए और दोबारा अपराध करने वाले फरार आरोपी सिद्धीक पिता मुनीर खां, निवासी केसुर को सादलपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की जमानत निरस्त होने के बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए 7 सितंबर 2026 को उसे गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश



लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5(एन)/6 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। इस मामले में माननीय न्यायालय ने 9 अप्रैल 2021 को आरोपी को 20 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई थी।

देपालपुर में अवैध मदिरा के खिलाफ आबकारी विभाग का बड़ा एक्शन

चांदेर से उषापुरा तक आबकारी टीम की दबिश, तीन आरोपियों पर प्रकरण दर्ज

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में अवैध मदिरा के संग्रहण एवं विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग ने एक बार फिर प्रभावी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। कलेक्टर जिला इंदौर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहयोग आधुनिक आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार कंट्रोलर कमलेश सोलंकी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में गत दिवस को वृत्त देपालपुर क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम चांदेर, अटवाड़ा, चटवाड़ा एवं उषापुरा स्थित यादव ढबा सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अवैध मदिरा के संग्रहण एवं विक्रय की गतिविधियों की जांच की। कार्रवाई के दौरान सरदार पिता रामजी, दशरथ पिता भगीरथ एवं आनंद पिता देवकरण के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 36(क) के



तहत कुल तीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। देपालपुर वृत्त में इस कार्रवाई की महत्वपूर्ण कड़ी उप निरीक्षक राजेश वट्टी रहे। उनके नेतृत्व में टीम ने एक साथ कई क्षेत्रों में पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध मदिरा से जुड़ी गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए मौके पर दबिश देना और सामने आए मामलों में नियमानुसार प्रकरण दर्ज करना उनकी मैदानी सक्रियता एवं कार्यणाली को दर्शाता है। राजेश वट्टी द्वारा टीम के साथ क्षेत्र में लगातार निगरानी एवं कार्रवाई पर जोर दिया जा रहा है। विशेष रूप से ऐसे स्थानों को चिन्हित कर कार्रवाई करना, जहां अवैध मदिरा के संग्रहण या

विक्रय की संभावना हो सकती है, विभागीय अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गत दिवस की कार्रवाई में चांदेर, अटवाड़ा, चटवाड़ा और उषापुरा जैसे अलग-अलग स्थानों पर टीम की पहुंच यह दर्शाती है कि देपालपुर वृत्त में कार्रवाई को केवल एक स्थान तक सीमित न रखकर व्यापक क्षेत्र में निगरानी के साथ

अंजाम दिया जा रहा है। आबकारी विभाग की लगातार कार्रवाई से अवैध मदिरा के संग्रहण एवं विक्रय में सलिस लोगों को स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है कि क्षेत्र में कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग नियमानुसार कार्रवाई करेगा। तीन अलग-अलग प्रकरणों का पंजीयन इसी अभियान

का हिस्सा है। विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर देपालपुर वृत्त में की जा रही कार्रवाई का उद्देश्य अवैध मदिरा के कारोबार पर नियंत्रण करना और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना है। आने वाले दिनों में भी संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी एवं कार्रवाई जारी रहने की संभावना है। पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक राजेश वट्टी के साथ मुख्य आरक्षक रवींद्र कुमार बघेल, आरक्षक राशि सोलट एवं आरक्षक सावन सिसोदिया ने सक्रिय भूमिका निभाई। टीम के संयुक्त प्रयास से अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीन प्रकरण दर्ज किए गए। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि देपालपुर क्षेत्र में अवैध मदिरा के विक्रय अभियान को मैदानी स्तर पर लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के निर्देश और उप निरीक्षक राजेश वट्टी के नेतृत्व में की जा रही कार्रवाई आने वाले समय में भी जारी रहने की उम्मीद है।

हिंगलाज माता मंदिर में हरतालिका तीज 14 को मनाई जाएगी

बड़नगर/ महेश सोनगर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी में महिलाओं का महत्वपूर्ण पर्व हरतालिका तीज 14 सितंबर सोमवार को मनाई जाएगी। पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि यह व्रत माता पार्वती ने निर्जल निराहार रहकर भगवान शिव को पाने के लिए किया था। इसी परंपरा को महिलाएं निभाती आ रही हैं पुजारी ने बताया कि हरतालिका तीज को पाटले पर बालू रेती से भगवान शिव,, माता पार्वती व गणेश जी कार्तिक चंद्रमा सूर्य की आकृति बनाकर पूजा होगी इस दिन सुहागिन महिलाएं एवं कुंवारी युवतियां स्नान कर नए वस्त्र



धारण कर निर्जल निराहार रहकर हर तालिका तीज का व्रत रख भगवान

शिव, माता पार्वती, गणेश जी, कार्तिक जी को 21 वृक्षों की पतियां, फल,फूल, नए वस्त्र, एवं सोलह श्रृंगार ,चढ़ाकर विधि विधान से पूजा कर कथा श्रवण करेगी ।बाद भगवान से अपने पति के लिए अखंड सौभाग्य एवं परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना करेगी । इस दिन महिलाएं पूरी रात्रि का जागरण कर रात्रि में पांच बार शिव, पार्वती की आरती करेगी । प्रातः 6ः00 बजे बालू रेती से बने भगवान शिव का विसर्जन होगा । जानकारी पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने दी।

सिंहस्थ के काम में लापरवाही की तो 5 लाख तक जुर्माना

गलत आंकड़े दिए तो इंजीनियर होंगे निलंबित-बारिश थमते ही सड़क-चौड़ीकरण के काम में आएगी तेजी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता अब ठेकेदारों को भारी पड़ेगा। निर्माण कार्यों में कमी मिलने पर संबंधित ठेकेदारों पर 2 से 5 लाख रुपए तक की पेनल्टी लगाई जाएगी। थर्ड पार्टी ऑडिट में सामने आई खामियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी रेडो मिव्स कंत्रोेट संयंत्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करने को कहा गया है।

संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी आशीष सिंह ने बुधवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय में निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक कहा कि सिंहस्थ अब

काम- बैठक में बताया गया कि हरसिद्धि पाल से रामघाट तक सड़क निर्माण के लिए मार्किंग पूरी हो चुकी है। महाकाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सेंट्रल लाइन की मार्किंग भी हो गई है। महाकाल सवारी के कारण रुका काम अब शुरू होगा। गुदरी-पानदरीबा मार्ग पर भी सेंट्रल मार्किंग पूरी कर ली गई है।

घाटों के उन्नयन का काम जल्द शुरू करें- बैठक में जयसिंहपुरा चौराहे के सौंदर्यीकरण, भगतसिंह मार्ग से नरसिंह घाट तथा कार्तिक चौक से दानी गेट तक सड़क चौड़ीकरण के लिए भी मार्किंग हो चुकी है।

एक सप्ताह में दूर करें अड़चन- नीलगंगा से महाकाल, जयसिंहपुरा अंडरपास और नूतन

श्री कलश वंदन यात्रा में सामाजिक समरसता और सर्वपंथ समभाव का दिया संदेश



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा सह मीडिया प्रभारी श्री राजकुमार बंसीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत भाजपा शहीद राजाभाऊ

महाकाल मंडल द्वारा श्री कलश

वंदन यात्रा का आयोजन किया गया।

यात्रा में भाजपा प्रदेश महामंत्री, सांसद एवं उज्जैन संभाग प्रभारी श्रीमती लता वानखेड़े तथा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री भगवान परमार महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव विशेष रूप से उपस्थित रही।

इस अवसर पर श्रीमती लता वानखेड़े ने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की पंच निष्ठाओं में सर्वपंथ समभाव एक महत्वपूर्ण

संकल्प लेना चाहिए।

श्रीमती वानखेड़े ने कहा कि आज हम सभी यह संकल्प लें कि संत रविदास जी महाराज द्वारा बताए गए आदर्शों और संस्कारों को अपने जीवन में अपनाएंगे तथा समाज में समानता, सद्भाव और भाईचारे की भावना को आगे बढ़ाएंगे।

इस अवसर पर भाजपा अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री भगवान परमार एवं नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मुकेश पोरवाल, अजय तिवारी , परेश कुलकर्णी, रितेश जट्टिया, कल्याण शिवहरे, जितेंद्र भाटी , सुहासा वेद, कुलदीप पंचाल श्रीमती सुपमा बौरा, राजेंद्र शर्मा, बाबूलाल नरवले, अंकित मोहने, धर्मेन्द्र बरूआ, श्रीमती नीलम कालरा, श्री अंजलि पटेल, विकास मालवीय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

सड़क किनारे खेत में मृत पड़ा मिला अभिभाषक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रैक्टिस कर रहा अभिभाषक रात में दोस्तों के बुलाने पर ढाबे पर

75 प्रतिशत ग्राम पंचायतें बस सेवा से जुड़ेंगी... उज्जैन को भी मिलेगा सीधा फायदा

15 हजार सार्वजनिक बसों का नेटवर्क बनेगा- ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुधरेगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने की तैयारी का फायदा उज्जैन जिले को भी मिलेगा। प्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को बस सेवा से जोड़ने के लक्ष्य से जिले के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने की उमीद है।

इसस योजना से गांवों से शहर तक आने-जाने वाले विद्यार्थियों, नौकरपेशा लोगों, व्यापारियों और आम यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

प्रदेश सरकार यात्री परिवहन विजन समिट-2026 के माध्यम से परिवहन व्यवस्था के विस्तार के साथ निवेश और रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर भी जोर दे रही है। इसके तहत वर्ष 2030 तक प्रेश में 15 हजार से अधिक आधुनिक सार्वजनिक बसें संचालित करने का लक्ष्य है। इन बसों से रोजाना 30 लाख से अधिक यात्रियों को परिवहन सुविधा देने की योजना है।

ग्रामीण स्ट पर बड़ेगी बसों की पहुंच- मोबिलिटी विजन 2030 के

नकली कीटनाशक दवा बेचने वाले तीन युवक गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान की कंपनी का लेबल लगाकर नकली कीटनाशक दवा बेचने वाले तीन युवकों को पुलिस ने घेराबंदी कर हिरासत में लिया है। जिनके पास से 12 बॉक्स में रखी कीटनाशक दवा की बोतले बरामद की गई है। तीनों युवकों से इको कार जप्त हुई है।

नानाखेड़ा थाना एसआई शशिकांत गौतम ने बताया कि राजस्थान के डूमोली खुर्द निवासी आशीष पिता महेश जांगड़ा और कुलदीप कुशवाह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह दू बड़ी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अधिकारी हैं। उनकी कंपनी कीटनाशक दवा का कारोबार करती है। उज्जैन में उनकी कंपनी का लेबल लगाकर कुछ लोगों द्वारा डुल्लिकेट कीटनाशक दवा बेची जा रही है। मामले की शिकायत पर

बाइक-ट्राले की भिड़ंत, 1 की मौत, 2 घायल



के आगे शराब दुकान के सामने रात में बाइक और ट्राले के बीच भिड़ंत हो गई थी। बाइक पर सवार तीन युवक घायल हुए थे जिन्हें एंबुलेंस से शासकीय चर्क अस्पताल पहुंचाया गया। परीक्षण के दौरान डॉक्टरों ने एक को मृत पाया दो को गंभीर चोट होने पर उपचार के लिए भर्ती किया गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल से अस्पताल पहुंची घायलों के बयान दर्ज किए गए तो उनके नाम रहूल पिता दिलीप चंद्रावत निवासी शांति नगर, सतीश पिता रमेश चंद्र यादव निवासी सार्थक नगर सामने आए। उन्होंने बताया कि उनके साथ दुर्घटना में मृतक बाबूलाल पिता चैन सिंह निवासी शांति नगर था। पुलिस ने दुर्घटना की सूचना तीनों के परिजनों को दी और मामले में दुर्घटना का मामला दर्ज करने के साथ मार्ग कायम किया। गुरवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि बाबूलाल मिस्त्री का काम करता था और इंदौर नागदा बायपास पर बनी हाटकेश्वर कॉलोनी में काम करने के बाद सतीश की बाइक पर रहूल के साथ घर लौट रहा था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप जांच शुरू की है।

काम- बैठक में बताया गया कि हरसिद्धि पाल से रामघाट तक सड़क निर्माण के लिए मार्किंग पूरी हो चुकी है। महाकाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सेंट्रल लाइन की मार्किंग भी हो गई है। महाकाल सवारी के कारण रुका काम अब शुरू होगा। गुदरी-पानदरीबा मार्ग पर भी सेंट्रल मार्किंग पूरी कर ली गई है।

घाटों के उन्नयन का काम जल्द शुरू करें- बैठक में जयसिंहपुरा चौराहे के सौंदर्यीकरण, भगतसिंह मार्ग से नरसिंह घाट तथा कार्तिक चौक से दानी गेट तक सड़क चौड़ीकरण के लिए भी मार्किंग हो चुकी है।

एक सप्ताह में दूर करें अड़चन- नीलगंगा से महाकाल, जयसिंहपुरा अंडरपास और नूतन

प्रैक्टिस कर रहा था। रात में स्कूटी सहित चंद खेड़ी मार्ग पर सड़क किनारे खेत में मृत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर परिजन

मौके पर पहुंचे श्याम ठाकुर उसे चरक अस्पताल लेकर पहुंचा डॉक्टर ने परीक्षण के बाद बाँडी पोस्टमार्टम कक्ष भेज दी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद्, बड़नगर जिला—उज्जैन म.प्र.

 	
---	--

क्रमांक:--	/	1993	/	2026	/राजस्व	बड़नगर दिनांक: 07 / 09 / 2026
नामांतरण विज्ञप्ति						
निम्नलिखित भवन व भूमि स्वामी की और से प्राप्त आवेदन पत्र म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अन्तर्गत स्वतः हस्तांतरण हेतु प्राप्त हुए है। अतः इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाषन के 30 दिवस के भीतर में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें नियम अवधि के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।						

क्र	प्रकरण क्रमांक	मोहल्ला	पूर्व में जिसका नाम अंकित है।	वर्तमान नामांत्रण होना है।	आधार
1	509x7/2026	भवन क्रं. 21 कालादेवल पथ	कृष्णकांत पिता शांतिलाल माली	चन्द्रमणी पति कृष्णकान्त	विक्रय पत्र षपथ पत्र
2	510x7/2026	मुखण्ड क्रं. 161 / 12 भगवतीधाम कालोनी	ऋषभ जैन	चन्दाबाई पति राकेश	विक्रय पत्र षपथ पत्र
3	511x7/2026	भवन क्रं. 17 शिवाजी पथ गली नं 01	देवीलाल पिता सुखराम	जावेद खान पिता निसार खान	विक्रय पत्र षपथ पत्र
4	512x7/2026	260 का जुज भाग मुखण्ड क्रं. 28 वृन्दावन विहार कालोनी	मुन्नालाल पिता नारायण चौधरी आदी	अंकिता पति सिद्धार्थ शर्मा	विक्रय पत्र षपथ पत्र
5	513x7/2026	वृन्दावन विहार	गौरव पिता नवनीतलाल आदी	ऋतु पति बन्दी कनेरिया	विक्रय पत्र षपथ पत्र
6	514x7/2026	जवाहर मार्ग	राजेन्द्र कुमार पिता षंकरलाल जैन	अनुराधा पति प्रेमचन्द्र त्रिवेदी	विक्रय पत्र षपथ पत्र
7	515x7/2026	भवन क्रं. 334 / 1 महात्मा गांधी मार्ग	मंगला सोनी पति अशोक सोनी	तमन्ना पति मनोज सोनी, तनुजा पति दुष्यंत	मृत्युप्रमाण पत्र षपथ पत्र
8	516x7/2026	भवन क्रं. 21 रफि एहमद किदवई पथ	मंगला सोनी पति अशोक सोनी	तमन्ना पति मनोज सोनी, तनुजा पति दुष्यंत	मृत्युप्रमाण पत्र षपथ पत्र
9	517x7/2026	मुखण्ड क्रं. 160 / 247 विनायक ग्रीन कालोनी	पवन पिता काषीराम शर्मा	दिप्ती पति रामनरेश यादव	विक्रय पत्र षपथ पत्र
10	518x7/2026	भवन क्रं. 21 रफि एहमद किदवई पथ	जोहर अली पिता गोहर अली	नसरत बी पति जोहर अली आदी	मृत्युप्रमाण पत्र षपथ पत्र
11	519x7/2026	भवन क्रमांक 395,396 महात्मा गांधी मार्ग	षेलेन्द्रकुमार पिता कैलाष गिरी	मनीष पिता जगदीषचन्द्र, कमालउददीन पिता मोईनउददीन	विक्रय पत्र षपथ पत्र
12	520x7/2026	भवन क्रमांक 15 / 1 श्रवण गली	देवीसिंह पिता बालाराम	निजाम खान पिता नीजीर खान	विक्रय पत्र षपथ पत्र
13	521x7/2026	मुखण्ड क्रमांक 214 / 43 महावीर विहार	सुनीलकुमार पिता इन्दरमल कासलीवाल	प्रगति पोरवाल पति प्रदीप पोरवाल	विक्रय पत्र षपथ पत्र
14	522x7/2026	179 / 285 अ ड्रीमसीटी कालोनी	महेश पिता बाबुलाल	विद्या परमार पति पुखराज परमार	विक्रय पत्र षपथ पत्र
15	523x7/2026	152 / 247 राधाकृष्णकालोनी	राधेष्थाम पिता नाथुलाल	प्रमिला पति मोहनलाल कलाल	विक्रय पत्र षपथ पत्र
16	524x7/2026	155 / a-64 रायल रेसीडेंन्सी कालोनी	मेहरसिंह पिता षोभाराम बारोड	भुपेन्द्र कुमार पिता गंदमल आदी	विक्रय पत्र षपथ पत्र
17	525x7/2026	160 / 63 विनायक ग्रीन कालोनी	आकांक्षा गोधा पति अरिहन्त गोधा	मनोरमा पति दिनेश राठोड	विक्रय पत्र षपथ पत्र
18	526x7/2026	मुखन्ड क्रमांक 102 प्रमुकुंज कालोनी	अभिषेक जैन आदी	विक्रमलाल पिता ब्रजलाल	विक्रय पत्र षपथ पत्र
19	527x7/2026	51 षंकरपथ	ओमनारायण पिता तुलसीराम	सुमित्रा पति षिवनारायण	विक्रय पत्र षपथ पत्र

20	528x7/2026	सर्वे नं 1892 / 1, 1894 / 1 जवाहर मार्ग	जितेन्द्र भारती	सुनीता पति मुकेश माली	विक्रय पत्र षपथ पत्र
21	529x7/2026	भवन क्रमांक 05 व्यास कालोनी	सुरेशचन्द्र पित देवराव	षीतल पति नीतिन	विक्रय पत्र षपथ पत्र
22	530x7/2026	भवन क्रमांक 294 महात्मा गांधी मार्ग	शांतिलाल पिता सेवाराम जैन	सुरेन्द्रकुमार सुनीलकुमार पिता शांतिलाल जैन	षपथ पत्र वसीयत
23	531x7/2026	मुखन्ड क्रमांक 92 श्रुत विहार कालोनी	शांताबाई पति इन्दरमल आदी	नरेन्द्रकुमार पिता सतीषचन्द्र लाठी	विक्रय पत्र षपथ पत्र
24	532x7/2026	सर्वे नं 2567 षिषक कालोनी	अतुलकुमार पिता ज्ञानचन्द्र जैन	कांताबाई पति देवीलाल	विक्रय पत्र भूमिपरिवर्तन, षपथ पत्र
25	533x7/2026	27 / 34 जवाहरमार्ग व्यास कालोनी	राजेन्द्र कुमार पिता षोभागमल	अंशुल पिता राजेन्द्रकुमार जैन आदी	मृत्युप्रमाण पत्र षपथ पत्र
26	534x7/2026	सर्वे नं. 362 / 1 / 1 / 1 चौधरी कालोनी	पुरालाल पिता फकीरचन्द्र चौधरी	लाखन जादव पिता अम्बाराम जादव	विक्रय पत्र भूमिपरिवर्तन, षपथ पत्र
27	535x7/2026	भवन क्रमांक 05 आजाद चौक	अब्दुल कलाम पिता अब्दुल रफीद आदी	आमीन पिता करामत	विक्रय पत्र षपथ पत्र
28	536x7/2026	25 / 1अ / a पंचवटी पथ	फरजाना पति मेहमूद	तसनीम पति मोईन अली	विक्रय पत्र षपथ पत्र
29	537x7/2026	चौधरी कालोनी	मांगुबाई पति राधेष्थाम	ष्यामाबाई पति अमृतलाल	विक्रय पत्र भूमिपरिवर्तन, षपथ पत्र
30	538x7/2026	भवन क्रमांक 149 / 60 ब सुर्यासिंह पेराडाइस	नारायण पिता नंदकिषोर	विशाल पिता भेरूसिंह	विक्रय पत्र षपथ पत्र
31	539x7/2026	भवन क्रमांक 39 / 25 / 1 मंगलमपरिसर	शिवनारायण पिता अम्बाराम कुषवाह	ललिता पति सुभाष जोषी	विक्रय पत्र षपथ पत्र
32	540x7/2026	जवाहरमार्ग रामश्रय पेराडाइस	ऋषि कुम्हार पिता जगमोहन, तरुण गिरधाणी, संगीता आदी	रामाश्रय डेवलपर्स संजय कुमार पिता कैलाषचन्द्र आदी	विक्रय पत्र भूमिपरिवर्तन, षपथ पत्र

अमय टोंग्या अध्यक्ष नगर पालिका परिषद् बड़नगर	अनिता सतीष वर्मा उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद् बड़नगर	नेहा शांतिलाल गोखरू राजस्व सभापति नगर पालिका परिषद् बड़नगर	मंशाराम निंगवाल मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद् बड़नगर
--	---	--	---

शाही मस्जिद को लेकर हायकोर्ट ने दोनों याचिकाएं की खारिज

गोपाल मंदिर मार्ग चौड़ीकरण को लेकर बड़ी कानूनी अड़चन दूर

उज्जैन। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में बुधवार को बड़ा फैसला सामने आया। गोपाल मंदिर मार्ग के चौड़ीकरण की जद में आ रही करीब 100 साल पुरानी शाही मस्जिद को हटाने के विवादास्पद दायर दोनों याचिकाओं को मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने खारिज कर दिया। जस्टिस संदीप एन. भट्ट की एकल पीठ ने दोनों मामलों की एक साथ सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने याचिकाएं निरस्त कर दीं।



हालांकि, कोर्ट का विस्तृत और औपचारिक आदेश अभी जारी नहीं हुआ है। ऐसे में आदेश में क्या आधार और टिप्पणियां दर्ज की गई हैं, यह स्पष्ट होने के बाद ही आगे की कानूनी स्थिति पूरी तरह सामने आएगी। फिलहाल हाई कोर्ट से याचिकाएं खारिज होने के बाद नगर निगम के लिए सड़क चौड़ीकरण की कार्यवाही आगे बढ़ाने का रास्ता खुलता दिखाई दे रहा है।

अब अगली अदालत की तैयारी...

नगर निगम द्वारा शाही मस्जिद को हटाने का नोटिस जारी किए जाने के बाद से ही मुस्लिम समाज इसका विरोध कर रहा है। याचिकाकर्ताओं का तर्क रहा है कि मस्जिद धार्मिक आस्था के साथ ऐतिहासिक महत्व भी रखती है। इसलिए सड़क चौड़ीकरण के लिए इसे हटाया जाना उचित नहीं है। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता सैयद अशरफ अली वारसी ने कहा कि अभी विस्तृत लिखित आदेश आना बाकी है। याचिकाएं खारिज हुई हैं, लेकिन आदेश का अध्ययन करने के बाद फैसले के खिलाफ डबल बेंच या सुप्रीम कोर्ट में अपील की जाएगी। यानी हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद भी मस्जिद को लेकर कानूनी लड़ाई पूरी तरह खत्म होती नजर नहीं आ रही है।

इसलिए जरूरी माना जा रहा चौड़ीकरण

गोपाल मंदिर मार्ग उज्जैन शहर के पुराने और व्यस्त मार्गों में शामिल है। वर्तमान में मार्ग का हिस्सा संकरा होने से सामान्य दिनों में भी यातायात का दबाव रहता है। सिंहस्थ 2028 में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन इस मार्ग को यातायात व्यवस्था के

लिहाज से महत्वपूर्ण मान रहा है। सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने, वाहनों की आवाजाही सुचारू रखने और प्रमुख मार्गों पर दबाव कम करने के लिए सड़क चौड़ीकरण की योजना बनाई गई है। नगर निगम का कहना है कि कार्यवाई मास्टर प्लान और निर्धारित नियमों के तहत की जा रही है। यही चौड़ीकरण अब शाही मस्जिद तक पहुंच गया है। मस्जिद को हटाने के नगर निगम के नोटिस के बाद मामला हाई कोर्ट पहुंचा और बुधवार को दोनों याचिकाओं के खारिज होने से परियोजना को आगे बढ़ाने की कानूनी अड़चन फिलहाल कमजोर पड़ गई है।

दो याचिकाएं, दोनों पर एक साथ सुनवाई

शाही मस्जिद को लेकर हाई कोर्ट में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई थीं। पहली याचिका शाही मस्जिद वक्फ पंचायत मोचियान के प्रतिनिधि अशफाक अहमद तथा शाही मस्जिद इंतजामिया कमिटी वक्फ पंच मोचियान के प्रतिनिधि एवं वाइस चेयरमैन अशफाक अहमद की ओर से दायर की गई थी। इस मामले में मध्यप्रदेश शासन, ज्वाइंट डायरेक्टर टीएंडसीपी, उज्जैन नगर निगम, बिल्डिंग ऑफिसर और कलेक्टर उज्जैन को पक्षकार बनाया गया था।

जबकि दूसरी याचिका शाही मस्जिद वक्फ पंच मोचियान के प्रेसीडेंट अरशान हुसैन की ओर से दायर की गई थी। इसमें मध्यप्रदेश शासन, उज्जैन नगर निगम और मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड को पक्षकार बनाया गया था।

दोनों मामलों में मस्जिद को हटाने की कार्यवाई पर रोक लगाने की मांग की गई थी, लेकिन बुधवार को कोर्ट ने दोनों

याचिकाएं खारिज कर दीं।

दस्तावेजों का हवाला दिया

मस्जिद प्रबंधन की ओर से सुनवाई के दौरान इसके पुराने और ऐतिहासिक होने का हवाला दिया गया। याचिकाकर्ताओं ने पुराने दस्तावेज पेश करते हुए दावा किया कि 17 मार्च 1925 को सिंधिया राजघराने के चेयरमैन, टाउन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट और ग्वालियर सरकार लश्कर की ओर से शहर काजी को पत्र जारी किया गया था। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, पत्र में कुछ भूमि के अधिग्रहण के बाद मस्जिद के शेष हिस्से को यथावत रखने का उल्लेख किया गया था। इसी आधार पर मस्जिद प्रबंधन ने इसे केवल सड़क चौड़ीकरण की जमीन नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व से जुड़ा मामला बताते हुए हटाने का विरोध किया। अब हाई कोर्ट द्वारा दोनों याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद इस पुराने दस्तावेज और अन्य कानूनी आधारों को लेकर अगली अदालत में लड़ाई की तैयारी की जा रही है।

अब नजर विस्तृत आदेश पर

बुधवार के फैसले के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल कोर्ट के विस्तृत आदेश को लेकर है। आदेश सामने आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि याचिकाओं को किन कानूनी आधारों पर खारिज किया गया और सड़क चौड़ीकरण को लेकर अदालत ने क्या टिप्पणी की है। इसके बाद नगर निगम आगे की कार्यवाई को लेकर कदम उठा सकता है। वहीं मस्जिद प्रबंधन ने भी साफ संकेत दिए हैं कि वह फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएगा।

एक ही दिन हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी, तृतीया युक्त चतुर्थी का बन रहा संयोग

सुबह 11.30 बजे गणेश प्रतिमा स्थापना का शुभ मुहूर्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस बार गणेश भक्तों और सुहृदिगिण महिलाओं के लिए 14 सितंबर का दिन धार्मिक रूप से खास रहने वाला है। उज्जैन समेत देशभर में इसी दिन गणेश चतुर्थी और हरतालिका तीज का पर्व एक साथ मनाया जाएगा। तृतीया युक्त चतुर्थी का यह संयोग लंबे समय बाद बन रहा है, जिसे ज्योतिषाचार्य धार्मिक दृष्टि से विशेष फलदायी मान रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि हरतालिका तीज पर महिलाएं पति की दीर्घायु, सुखी दांपत्य और परिवार की समृद्धि की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी, वहीं गणेश चतुर्थी के साथ 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत होगी।

ज्योतिषाचार्य अमर डिब्बावाला के अनुसार शास्त्रीय मान्यता में जब हरतालिका तीज का संयोग चतुर्थी तिथि के साथ बनता है तो इसका धार्मिक महत्व बढ़ जाता है। इस बार तृतीया युक्त चतुर्थी होने से दोनों पर्वों का प्रभाव विशेष माना जा रहा है। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से पूजा करने पर सुख-सौभाग्य, परिवार की समृद्धि और दांपत्य जीवन में शुभता की कामना पूरी होती है।

सुबह से ही पूजा-पाठ का दौर-हरतालिका तीज के अवसर पर महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करेंगी। कई महिलाएं निर्जला व्रत रखकर शाम को पूजा के बाद व्रत का पारण करेंगी। वहीं गणेश चतुर्थी पर घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। गणेश प्रतिमा स्थापना का

शुभ मुहूर्त सुबह 11.30 बजे बताया गया है। ब्रह्म योग में गणपति पूजन को विशेष फलदायी माना गया है।

चिंतामन और बड़े गणेश मंदिर में विशेष आयोजन- गणेश चतुर्थी के साथ उज्जैन में गणेशोत्सव की शुरुआत हो जाएगी। शहर के प्रसिद्ध चिंतामन गणेश मंदिर और बड़े गणेश मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। गणेशोत्सव के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से आने वाले श्रद्धालु भी भगवान गणेश के दर्शन और पूजन में शामिल होंगे। शहर में जगह-जगह गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ धार्मिक आयोजनों का सिलसिला भी शुरू होगा।

तीज पर शिव-पार्वती की आराधना, चतुर्थी पर गणपति का पूजन-हरतालिका तीज को सुहाग और दांपत्य सुख से जुड़ा प्रमुख पर्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया था। इसी मान्यता के चलते महिलाएं इस दिन माता पार्वती और भगवान शिव का पूजन कर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। दूसरी ओर गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा किन्हीं को दूर करने और शुभ कार्यों की सफलता के लिए की जाती है। इस तरह इस बार एक ही दिन तीज का व्रत और गणेश चतुर्थी का उत्सव होने से धार्मिक दृष्टि से दिन का महत्व और बढ़ गया है। उज्जैन में दोनों पर्वों को लेकर मंदिरों और गणेशोत्सव समितियों ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रामघाट पर इंदौर से आए श्रद्धालु के साथ वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिंडदान के लिए भतीजे के साथ इंदौर से आए श्रद्धालु के साथ रामघाट पर चोरी की वारदात हो गई। बदमाश पेंट की जेब से दो मोबाइल रुपए और कार की चाबी लेकर भाग निकला था।

इंदौर के रहने वाले महेश मकवाना ने बताया कि उसके भाई का निधन हो चुका था। गुरुवार सुबह भाई के दो बेटों के साथ वह रामघाट पर पिंडदान करने आया था। भाई के दोनों बेटों से पुजारी द्वारा पिंडदान की रस्म पूरी कराई जा रही

थी इस दौरान वह अपने कपड़े उतार कर शिप्रा नदी में आस्था की डुबकी लगाने चला गया। वापस लौटने पर घाट पर रखे कपड़ों में पेंट की जेब से दो मोबाइल, 1 हजार नगद और कार की चाबी गायब थी। बदमाश चोरी कर भाग निकला था।

Organised by

elets

Since 2003

Elets Technomedia

Host Partner

MPYPIL

भारत सरकार

GOVERNMENT OF INDIA

Department of Transport

Madhya Pradesh

AI Innovation Partner

PRIMUS PARTNERS

Solutions for Tomorrow

Knowledge Partner

e

gov

भारत की अगली मोबिलिटी क्रांति का शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत

प्रवातने पारिवहेन

Vision Summit 2026

11-12 सितम्बर 2026

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर, मध्यप्रदेश

नया मध्यप्रदेश

events.eletsonline.com/mpyatriparivahansummit

सीधा प्रसारण

webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh

@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh

@jansamparkMP

jansamparkMP

D11109/2

जुड़ो, नये मध्य प्रदेश

जुड़ो, नये मध्य प्रदेश

जुड़ो, नये मध्य प्रदेश

जुड़ो, नये मध्य प्रदेश